हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 233 बेमेतरा, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

देश और राज्य के भविष्य की दिशा तय करने का आधार है जनगणना : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में जनगणना 2027 के तहत ऑनलाइन स्व-गणना कर जनगणना अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर नागरिकों को इस राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भारत में विश्व का सबसे बड़ा जनगणना अभियान संचालित हो रहा है और छत्तीसगढ़ में भी आज से ऑनलाइन स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार से संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना को आधुनिक और डिजिटल स्वरूप दिया गया है, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुलभ हो सके।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश और राज्य के भविष्य की दिशा तय करने का आधार है। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार आने वाले वर्षों की योजनाएं तैयार करती है, ताकि विकास का लाभ हर वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 मई 2026 से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा, जिसमें मकान सूचीकरण और गणना का कार्य किया जाएगा। 30 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर आवासीय और गैर-आवासीय भवनों, उनकी स्थिति, उपयोग तथा बुनियादी सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई गैस, इंटरनेट और संचार व्यवस्था से संबंधित जानकारी एकत्र करेंगे।

उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि जब भी प्रगणक घर आएं, तो उन्हें सही, स्पष्ट और पूर्ण जानकारी दें, क्योंकि प्रत्येक जानकारी राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय एवं नीतिगत उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के संकल्प को साकार करने में जनगणना की महत्वपूर्ण भूमिका है। सही आंकड़े ही बेहतर योजना और प्रभावी विकास की नींव रखते हैं।

उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस महाअभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाने और सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव तथा जनगणना के नोडल मनोज कुमार पिंगुआ, कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह, संचालक जनगणना कार्तिकेय गोयल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

दुनिया के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेंगे भारत और ऑस्ट्रिया: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के क्षेत्र में नयी ऊर्जा आयेगी और ऑस्ट्रिया की विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता तथा भारत की गति और पैमाना दुनिया के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेगा।

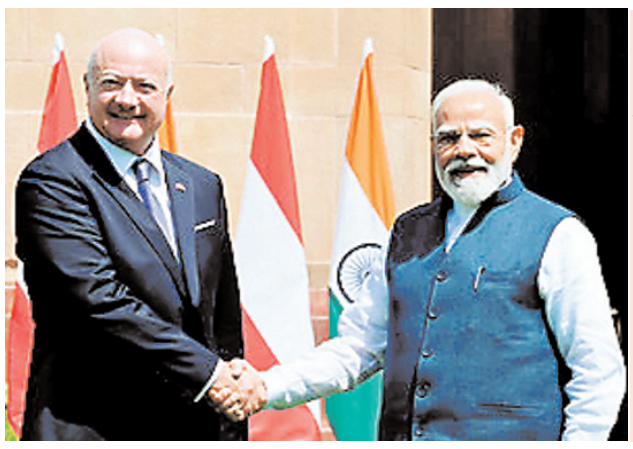

विशेष संसद सत्र महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गुरुवार से शुरू हो रहा संसद का विशेष सत्र देश में महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने की दिशा में एक 'ऐतिहासिक कदम' है। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की गरिमा और प्रतिनिधित्व को आगे बढ़ाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, संसद के आज के विशेष सत्र से हमारा देश महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाने जा रहा है। हमारी माताओं और बहनों का सम्मान राष्ट्र का सम्मान है।

दोनों देश रक्षा, सेमीकन्डक्टर, क्वांटम और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अपनी साझेदारी को सुदृढ करेंगे। भारत और आस्ट्रिया ने शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं और माइग्रेशन एंड मोबिलिटी एग्रीमेंट को नर्सिंग क्षेत्र में भी आगे बढाने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत हॉलिडे प्रोग्राम शुरू करने की भी घोषणा की है। मोदी ने भारत यात्रा पर आये स्टॉकर के साथ वार्ता के बाद गुरुवार को यहां संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत-आस्ट्रिया साझेदारी को नवाचार और भविष्य की जरुरतों पर आधारित बनाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का मजबूती से मानना है कि सैन्य टकरावों से समस्याओं का समाधान संभव नहीं और हम यूक्रेन तथा पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के पक्षधर हैं। उन्होंने कहा कि भारत और आस्ट्रिया दोनों ही वैश्विक संस्थाओं में सुधारों के प्रबल समर्थक हैं और आतंकवाद को जड़ से मिटाना, हमारी साझी प्रतिबद्धता है।

राज्यसभा अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने उपाध्यक्षों के पैनल का पुनर्गठन किया

6 सदस्यों में छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम भी शामिल

रायपुर। राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उपाध्यक्षों के पैनल (उपसभापतियों की समिति) का पुनर्गठन किया है। उपाध्यक्षों के पैनल में बीजेपी, कांग्रेस, AIADMK और बीजेडी के छह सदस्यों को नामित किया गया है। समिति छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम भी शामिल किया गया है। पुनर्गठित पैनल में फूलो देवी नेताम के अलावा बीजेपी से दिनेश शर्मा, एस फांगनोन कोन्याक और घनश्याम तिवारी AIADMK से एम. थंबीदुरई; और बीजेडी से सस्मित पात्रा शामिल हैं।

एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया, 'राज्यसभा के सभापति ने 15 अप्रैल 2026 से उपसभापतियों की समिति का पुनर्गठन किया है, जिसमें

दिनेश शर्मा, एस फांग्नोन कोन्यक, एम थंबीदुरई, सस्मित पात्रा, फूलो देवी नेताम और घनश्याम तिवारी जैसे सदस्य शामिल हैं। उपसभापति के रिक्त पद को भरने के लिए चुनाव 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे होगा, जिसमें हरिवंश नारायण सिंह को इस पद के लिए फिर से मनोनीत किए जाने की संभावना है। हरिवंश नौ अप्रैल को अपनी सेवानिवृत्ति तक लगातार दो कार्यकालों के लिए राज्यसभा के उपसभापति रह चुके हैं।

लक्ष्मी वर्मा ने राज्यसभा सदस्य पद की शपथ ली, सीएम साय ने दी बधाई

छत्तीसगढ़ की वरिष्ठ भाजपा नेत्री लक्ष्मी वर्मा ने राज्यसभा सदस्य पद की शपथ ली, मुख्यमंत्री साय ने हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी। और कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप छत्तीसगढ़ की सशक्त आवाज बनकर प्रदेश के हितों से जुड़े मुद्दों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ संसद के उच्च सदन में रखेंगी। आपका समृद्ध राजनीतिक अनुभव विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

लोकसभा की 543 सीटें हैं और उनमें 129 सीटें दक्षिण के राज्यों की हैं, जो बढ़कर 195 हो जायेंगी

महिलाओं को विधायिका में आरक्षण देने से किसी राज्य की संसदीय सीटें कम नहीं होंगी : अमित शाह

नयी दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने लोक सभा में कहा कि महिलाओं को विधायिका में 33 प्रतिशत आरक्षण देने संबंधी विधेयकों को पारित करने से दक्षिण के राज्यों का सदन में प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। शाह ने परिसीमन विधेयक 2026, संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक 2026 और संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक 2026 पर सदन में एक साथ हो रही चर्चा के दौरान कहा कि एक बड़ा आख्यान गढ़ा जा रहा है कि इन विधेयकों के माध्यम से दक्षिण के राज्यों की लोक सभा में क्षमता कम हो जायेगी, उनका बड़ा नुकसान होगा।

वह स्पष्ट कर रहे हैं कि दक्षिण के किसी राज्य को लोक सभा की सीटों के लिहाज से कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में अभी लोक सभा की 38 सीटें हैं,

जो महिलाओं को आरक्षण लागू होने के बाद 42 हो जायेंगी। आंध्र प्रदेश में अभी 25 सीटें हैं, जो बढ़कर 38 हो जायेंगी।

तेलंगाना में अभी 17 सीटें हैं, जो बढ़कर 26 हो जायेंगी। तमिलनाडु में अभी 39 सीटें हैं, जो बढ़कर 59 हो जायेंगी। उन्होंने कहा कि अभी लोकसभा की 543 सीटें हैं और उनमें 129 सीटें दक्षिण के राज्यों की हैं, जो बढ़कर 195 हो जायेंगी। शाह ने कहा कि जो सदस्य सदन के समक्ष कुछ राज्यों की सीटें कम होने की भ्रांति फैला रहे हैं, तो वह भारत के गृह मंत्री के रूप में यहां कह रहे हैं कि सीटों के लिहाज से किसी राज्य का कोई नुकसान नहीं होगा। गृह मंत्री ने कहा कि यह भी भ्रम फैलाया जा रहा है कि सरकार जाति जनगणना कराना नहीं चाहती। वह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय कर लिया है। मंत्रिमंडल ने निर्णय किया है कि अगली जनगणना में जाति गणना करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि पहले सभी मकानों की गणना की जा रही है, जब व्यक्तियों की गणना की जायेगी, तो उनकी जातियों की गणना की जायेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 2029 से पहले जो भी चुनाव होंगे, वे सीटों की पुरानी व्यवस्था के अनुसार ही कराये जायेंगे।

रफ्तार ने रोकी सांसें: अज्ञात वाहन ने 4 बाइक सवारों को मारी ठोकर, 3 की मौत

कानपुर। जिले में रफ्तार का कहर देखने को मिला है। जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने 4 बाइक सवारों को ठोकर मार दी। घटना में 3 लोगों की मौत हो गई. वहीं 1 गंभीर रूप से घायल हुआ है. घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। बता दें कि घटना बिल्हौर के शिवराजपुर में दुबियाना अंडरपास के ऊपर हाइवे पर उस वक्त घटी, जब 4 बाइक सवार अपनी भांजे के तिलक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी. हादसा इतना भयानक था कि मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई. वहीं एक गंभीर रूप से घायल हुआ। वहीं हादसा होता देख राहगीर मौके पर इकट्ठा हो गए।

लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए भिजवाया।

आग में मौत का तांडव : 10 से ज्यादा सिलेंडर फटे, आगजनी से 2 की मौत

लखनऊ। विकासनगर थाना क्षेत्र में बुधवार शाम झुग्गी-झोपड़ियों में हुई आगजनी की घटना में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई है। ये घटना बुधवार शाम की है। बताया जा रहा है कि 10 से ज्यादा गैस सिलेंडर फटने के बाद ये आग लगी। आगजनी में 50 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक हो गईं. इधर आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर डटे

रहीं। जैसे तैसे आग पर काबू पाया गया। दूसरी ओर एहतियात के तौर पर आसपास के मकानों को खाली कराकर कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति रोक दी गई। जानकारी के मुताबिक आग की लपटें 5 किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रही थी। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को अपना सामान बचाने तक का मौका नहीं मिला।

सुप्रीम कोर्ट ने अनिवार्य मतदान की मांग वाली याचिका खारिज की, कहा- नागरिकों को वोट के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अनिवार्य मतदान लागू करने के निर्देश देने की मांग वाली एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता ने कहा था कि जो लोग मतदान करने से इनकार करते हैं, उन्हें सरकारी सुविधाओं से वंचित कर देना चाहिए और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। न्यायालय ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि चुनावों में भागीदारी को दमनकारी या बाध्यकारी उपायों से लागू नहीं कर सकते।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों से मताधिकार प्रयोग करने की अपेक्षा होती है, लेकिन राज्य किसी व्यक्ति को वोट देने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। याचिकाकर्ता के वकील ने सुझाव दिया था कि अदालत चुनाव आयोग को अनिवार्य मतदान के लिए दिशानिर्देश बनाने और बिना वैध कारण वोट न देने वालों पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दे। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि मताधिकार के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए, लेकिन हम इसके लिए मजबूर नहीं कर सकते। न्यायालय ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उठाए गए मुद्दे नीतिगत दायरे में आते हैं और इन पर उचित विधायी और कार्यकारी अधिकारियों (संसद और सरकार) द्वारा विचार किया जाना ही सबसे बेहतर है।

पीठ ने दोहराया कि मतदान एक संवैधानिक अधिकार और लोकतांत्रिक कर्तव्य है लेकिन इसे किसी पर थोपा नहीं जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी को राहत देने से किया इनकार

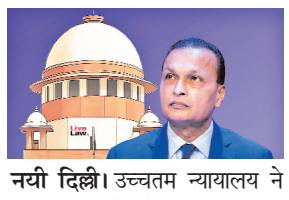

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अनिल अंबानी की उस याचिका पर राहत देने से इनकार कर दिया है जिसमें उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें बैंकों को उनके ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने की अनुमति दी गई थी। यह मामला बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस फैसले से संबंधित है जिसमें दो बैंकों को अनिल अंबानी के लोन खाते को धोखाधड़ी वाला खाता घोषित करने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने दिसंबर 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया था।

दो सप्ताह का नाजुक युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होगा

तेहरान में मौजूद पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर के लिए बनाया दबाव

तेहरान। अमेरिका से मिले एक नए संदेश के साथ, पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के प्रयास में ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता के एक नए दौर की संभावना पर ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है।

सात अप्रैल को शुरू हुआ दो सप्ताह का नाजुक युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है। इस्लामाबाद में रविवार को बिना किसी समझौते के समाप्त हुई प्रारंभिक वार्ता के बाद पाकिस्तान आगे की वार्ता के लिए समन्वय कर रहा है।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी मध्यस्थता प्रयासों में शामिल हैं जबकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ राजनयिक वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए चार दिवसीय खाड़ी दौरे के पहले पड़ाव के रूप में सऊदी अरब में हैं। पाकिस्तानी अधिकारी दूसरे दौर की वार्ता के लिए युद्धविराम को बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं और क्षेत्रीय साझेदारों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे अमेरिका पर प्रभाव का इस्तेमाल करके ईरान के साथ फिर से बातचीत शुरू करें जिससे कोई राजनयिक गलती न हो।

यह राजनयिक प्रयास अमेरिका और ईरान की नौसैनिक नाकाबंदी के कारण बढ़े तनाव के बीच किया जा रहा है जो क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहा है। हालांकि इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समझौते की दिशा में संभावित प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष में अब तक लगभग 3,000 लोग मारे गए हैं और यह पश्चिम एशिया में फैल गया है। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता को उस समय और गति मिली जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले 'अद्भुत दो दिनों' का वर्णन किया, जिससे संकेत मिला कि ईरान के साथ युद्ध अपने अंत के करीब हो सकता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि समझौते की संभावनाएं आशाजनक लग रही हैं। इसके बावजूद, अमेरिकी सेना ने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकाबंदी की हुई है और वह मौजूद, सतर्क और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। ईरानी सेना ने इस नाकाबंदी को युद्धविराम का उल्लंघन बताया है और बुधवार तक इसके कारण नौ जहाजों को वापस लौटना पड़ा है। ईरान के संयुक्त सैन्य कमांडर अली अब्दुल्लाही ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका नाकाबंदी नहीं हटाता है तो तेहरान लाल सागर, खाड़ी और ओमान सागर के रास्ते व्यापार अवरुद्ध करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है। वार्ता में मुख्य विवाद के कारणों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और युद्धकालीन क्षति के लिए मुआवजा शामिल हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन के स्तर पर बातचीत के लिए तैयार है लेकिन इस बात पर बल देता है कि देश को अपनी जरूरतों के आधार पर संवर्धन करने की क्षमता बनाए रखनी चाहिए।

रायपुर के डीसीपी विकास कुमार केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर एनआईए में अधीक्षक नियुक्त

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट में यातायात और प्रोटोकॉल शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के रूप में कार्यरत 2020 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी विकास कुमार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है। उन्हें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पद पर नियुक्ति मिली है।

इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव को औपचारिक पत्र जारी कर जानकारी दी गयी। आदेश के अनुसार, विकास कुमार अब केंद्र सरकार के

अधीन अपनी नई जिम्मेदारियां संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि कुमार रायपुर में यातायात प्रबंधन और प्रोटोकॉल से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उनकी नियुक्ति को एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

मनरेगा की धार से बदली तस्वीर: नाली बनी, खेत लहलहाएज किसान अब ले रहे दोहरी फसल!

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

गांव की तस्वीर बदल रही है, खेतों की किस्मत संवर रही है और किसानों के चेहरे पर अब आत्मविश्वास की चमक साफ नजर आ रही है। यह बदलाव किसी चमत्कार से कम नहीं, बल्कि महात्मा गांधी नरेगा योजना की मजबूत नींव पर खड़ा हुआ है, जिसने ग्रामीण विकास को नई दिशा दी है। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के सटीक दिशा-निर्देश और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंद्रजीत बर्मन के प्रभावी मार्गदर्शन में जिले के गांवों में आजीविका बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में लगातार सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का नतीजा अब जमीन पर साफ दिखाई दे रहा है।

केड़ार गांव बना मिसाल

सारंगढ़ जनपद के ग्राम पंचायत केड़ार ने विकास की नई कहानी लिख दी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के तहत करीब 9.99 लाख रुपए की लागत से 254 मीटर लंबी पक्की सिंचाई नाली का निर्माण किया गया। यह नाली अब सिर्फ एक संरचना नहीं, बल्कि किसानों के सपनों की धारा बन चुकी है।

300 एकड़ में सिंचाई, दोहरी फसल का कमाल

पहले जहां किसान बारिश के भरोसे खेती करने को मजबूर थे, वहीं अब इस पक्की नाली के माध्यम से 250 से 300 एकड़ भूमि में सिंचाई संभव हो रही है। धान के साथ-साथ अब सब्जी-भाजी की खेती भी तेजी से बढ़ रही है। किसान अब खरीफ और रबी दोनों सीजन में फसल लेकर अपनी आमदनी दोगुनी कर रहे हैं।

कच्ची नाली से पक्के विकास की ओर

पूर्व में किसान खुद कच्ची नालियां बनाकर किसी तरह नहर का पानी खेतों तक पहुंचाते थे, लेकिन यह व्यवस्था अस्थायी और जोखिम भरी थी। ग्रामीणों की मांग पर जब पक्की नाली का निर्माण हुआ, तो मानो गांव के विकास को पंख लग गए।

खुशहाली की नई कहानी

आज केड़ार के किसान न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है। खेतों में हरियाली है, घरों में खुशहाली है और गांव में विकास की गूंज सुनाई दे रही है।

मनरेगा बना बदलाव का सूत्रधार

यह उदाहरण साबित करता है कि अगर योजनाओं का सही क्रियान्वयन हो, तो गांव की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली जा सकती हैं। मनरेगा अब सिर्फ रोजगार का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि की मजबूत कड़ी बन चुका है।

गोबरसिंहा सोसायटी में दलहन-तिलहन खरीदी का शुभारंभ, किसानों को मिलेगा समर्थन मूल्य का लाभ..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के गोबरसिंहा सेवा सहकारी समिति में दलहन और तिलहन फसलों की खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं और कृषि विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत हुई।

इस पहल को किसानों के लिए बड़ा राहत भरा कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में जिला भाजपा उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक, मंडल अध्यक्ष प्रदीप सतपथी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राधामोहन पाणिग्राही, मारोदरहा सरपंच टेकलाल सिदार, उप सरपंच दिनेश डनसेना के साथ कृषि विभाग के ,ष्ठश्वह संतोष पैकरा, सिदार, राठिया, गोविन्द सिंह ठाकुर, ञ्चश्वह सौरभ पटेल और समिति के प्राधिकृत अधिकारी मुरलीधर पटेल मौजूद रहे। मौके पर स्वप्निल स्वर्णकार ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दलहन-तिलहन खरीदी के लिए बड़ी राशि स्वीकृत की गई है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा। अजय जवाहर नायक ने कहा कि इससे प्रदेश दाल और तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी आएगी। वहीं प्रदीप सतपथी ने कहा कि सरकार की योजनाओं से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। खरीदी केंद्र में पहुंचे किसानों ने भी इस फैसले का स्वागत किया। किसानों का कहना है कि पहले उन्हें अपनी फसल बिचौलियों को कम दाम में बेचनी पड़ती थी, लेकिन अब समर्थन मूल्य पर खरीदी से उनकी आय में सुधार होगा। इस दौरान समिति प्रबंधक मिनकेतन डनसेना, कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में शार्दाकेयर हेल्थसिटी द्वारा मीडिया कर्मियों और उनके परिवारों के लिए निःशुल्क हेल्थ कैंप आयोजित

ग्रेटर नोएडा /मूक पत्रिका

शार्दाकेयर हेल्थसिटी द्वारा गुरुवार को ग्रेटर नोएडा में मीडिया से जुड़े लोगों एवं उनके परिवारों के लिए एक विशेष निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करना था।कैंप में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांचें मुफ्त में उपलब्ध कराई गईं, जिनमें हीमोग्लोबिन (॥ड्ड), ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर (क्चक्क), ईसीजी और क्चरूढ्ढ जैसी आवश्यक जांचें शामिल रहीं। इन जांचों का उद्देश्य बीमारियों का शुरुआती स्तर पर पता लगाना और समय रहते उपचार सुनिश्चित करना था।इस अवसर पर डॉ. अजीत सिंह, सीनियर कंसल्टेंट एवं हेड, कार्डियक साइंसेज़, तथा डॉ. विजय कुमार गुर्जर, सीनियर कंसल्टेंट एवं हेड, जेरियाट्रिक मेडिसिन, ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सलाह दी और नियमित जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। कैंप के दौरान पत्रकारों का पंजीकरण शार्दाकेयर हेल्थसिटी के विशेष मेंबरशिप कार्ड के लिए भी किया गया। इस कार्ड के अंतर्गत पत्रकार अपने साथ अधिकतम चार परिवार के सदस्यों को शामिल कर सकते हैं, जिससे उन्हें भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।यह पहल शार्दाकेयर हेल्थसिटी और मीडिया जगत के बीच बेहतर संबंधों को दर्शाती है। साथ ही, मीडिया की समाज में जागरूकता फैलाने की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देते हुए, उनके और उनके परिवारों की सेहत का ध्यान रखने की एक सराहनीय कोशिश है।

खरीफमें खाद लेने के लिए जरूरी हुई 'फार्मर आईडी', बिना रजिस्ट्रेशन नहीं मिलेगा उर्वरक

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

जिले में इस बार खरीफ सीजन के दौरान किसानों को खाद लेने के लिए नया नियम लागू कर दिया गया है,,अब सहकारी समितियों और निजी विक्रय केंद्रों से उर्वरक लेने के लिए किसानों के पास फार्मर आईडी होना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था एग्रीस्टैक योजना के तहत लागू की गई है जिसका उद्देश्य किसानों के रकबे के आधार पर खाद वितरण कर वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और सब्सिडी का लाभ सीधे वास्तविक किसानों तक पहुंचाना है। उप संचालक कृषि ने बताया कि अब जिले में उर्वरकों का वितरण किसानों के नाम और उनके जमीन के रकबे के अनुसार किया जाएगा,जो एग्रीस्टैक पोर्टल में दर्ज रहेगा यानी जितनी जमीन दर्ज होगी।उसी हिसाब से किसान को खाद मिलेगा।इससे फर्जीवाड़ा और कालाबाजारी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। फार्मर आईडी एक तरह की डिजिटल पहचान है।जैसे आधार कार्ड होता है इसमें किसान की पूरी जानकारी रहती है जैसे नाम, बैंक खाता और सबसे जरूरी उसकी जमीन का रिकॉर्ड (भुईया पोर्टल के अनुसार) यह आईडी केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से बनाई जा रही है। सरकार चाहती है कि हर किसान की सही पहचान हो,,ताकि बिचौलियों की भूमिका खत्म हो और असली किसानों को समय पर खाद मिल सके। साथ ही सब्सिडी का फायदा भी सीधे सही व्यक्ति तक पहुंचे। जिन किसानों के पास अभी तक फार्मर आईडी नहीं है उन्हें जल्द से जल्द बनवाने के निर्देश दिए गए हैं।किसान खुद एग्रीस्टैक पोर्टल पर जाकर या अपने नजदीकी सहकारी समिति या चॉइस सेंटर में जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। अगर किसी किसान को आईडी बनवाने में परेशानी हो रही है तो वे अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी या पटवारी से संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि बिना फार्मर आईडी के इस बार खाद मिलना मुश्किल होगा इसलिए सभी किसान समय रहते अपना पंजीकरण जरूर करा लें ताकि खरीफ सीजन में किसी तरह की परेशानी न हो।

सुशासन तिहार - 2026 जन शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए चलेगा विशेष अभियान

01 मई से 10 जून तक लगेंगे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लगेंगे शिविर

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर 16 अप्रैल 2026 छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से इस वर्ष भी ÷सुशासन तिहार 2026÷ के आयोजन व्यापक पैमाने पर किया जाएगा। इस अभियान के सफल आयोजन को लेकर राज्य शासन द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अभियान के अंतर्गत 30 अप्रैल तक लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा तथा 01 मई से 10 जून तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के वार्डों में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। लंबित प्रकरणों का निराकरण 30 अप्रैल तक करने के निर्देश जारी निर्देशानुसार 30 अप्रैल तक जिले में लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए है। इसके अंतर्गत भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, मनरेगा अंतर्गत लंबित मजदूरी भुगतान, हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित भुगतान, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, बिजली एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं तथा हैंडपंप सुधार जैसे मुद्दों का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभदिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन 01 मई से 10 जून तक सुशासन तिहार के अंतर्गत 01 मई से 10 जून तक जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

खरीफमें खाद लेने के लिए जरूरी हुई 'फार्मर आईडी', बिना रजिस्ट्रेशन नहीं मिलेगा उर्वरक

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

जिले में इस बार खरीफ सीजन के दौरान किसानों को खाद लेने के लिए नया नियम लागू कर दिया गया है,,अब सहकारी समितियों और निजी विक्रय केंद्रों से उर्वरक लेने के लिए किसानों के पास फार्मर आईडी होना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था एग्रीस्टैक योजना के तहत लागू की गई है जिसका उद्देश्य किसानों के रकबे के आधार पर खाद वितरण कर वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और सब्सिडी का लाभ सीधे वास्तविक किसानों तक पहुंचाना है। उप संचालक कृषि ने बताया कि अब जिले में उर्वरकों का वितरण किसानों के नाम और उनके जमीन के रकबे के अनुसार किया जाएगा,जो एग्रीस्टैक पोर्टल में दर्ज रहेगा यानी जितनी जमीन दर्ज होगी।उसी हिसाब से किसान को खाद मिलेगा।इससे फर्जीवाड़ा और कालाबाजारी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। फार्मर आईडी एक तरह की डिजिटल पहचान है।जैसे आधार कार्ड होता है इसमें किसान की पूरी जानकारी रहती है जैसे नाम, बैंक खाता और सबसे जरूरी उसकी जमीन का रिकॉर्ड (भुईया पोर्टल के अनुसार) यह आईडी केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से बनाई जा रही है। सरकार चाहती है कि हर किसान की सही पहचान हो,,ताकि बिचौलियों की भूमिका खत्म हो और असली किसानों को समय पर खाद मिल सके,,साथ ही,,सब्सिडी का फायदा भी सीधे सही व्यक्ति तक पहुंचे। जिन किसानों के पास अभी तक फार्मर आईडी नहीं है,,उन्हें जल्द से जल्द बनवाने के निर्देश दिए गए हैं,,किसान खुद एग्रीस्टैक पोर्टल पर जाकर या अपने नजदीकी सहकारी समिति या चॉइस सेंटर में जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।अगर किसी किसान को आईडी बनवाने में परेशानी हो रही है तो वे अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी या पटवारी से संपर्क कर सकते हैं।

गर्मी बढ़ते ही बाजारों में दिखने लगी मिट्टी से बने मटकों की रौनक

रायगढ़/मूक पत्रिका

गर्मी का असर प्रतिदिन बढ़ने लगा है। गर्मी बढ़ते ही मिट्टी के बर्तनों की मांग भी बढ़ने लगी है। इससे शहर में जगह जगह बाजारों में मिट्टी के बर्तने बेची जाने लगी हैं। सेहत के हिसाब से भी मिट्टी के बर्तन काफी लाभदायक रहते हैं। इससे शरीर पर किसी तरह का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। शहरवासियों के सुख-सुविधाएं और रहन-सहन में दृढ़ संकल्पों का विकल्प बन जाए और साधन-संसाधनों की वजह से लम्बे-चौड़े बदलाव हो गया हो, लेकिन देशी मटकों का विकल्प बनने में अभी और लम्बे समय लगेगा। यही वजह है कि मार्च में मौसम में बदलाव यानी बारिश और धूप खिलने के बाद अब अप्रैल में गर्मी बढ़ने से देशी फ्रीज का बाजार सजने लगे हैं।

शहर के इन स्थानों पर मटकों की सजी दुकान-पिछले दिनों से जैसे ही गर्मी बढ़ी है। इससे तापमान 40 डिग्री से ऊपर चल रहा है। इस सीजन में मटका 100 रुपये तक का बेचे जा रहे हैं। वहीं मिट्टी के आकर्षक केंपर भी तैयार किए जा रहे हैं। मिट्टी के केंपर भी 300 से 400 रुपये में बिक रहा है। शहर में बोइरदादर, चक्रधर नगर, हंडी चौक, इंद्रानगर रोड में मिट्टी के मटकों की बाजार सज चुकी है।

बढ़ते गर्मी में पानी के साथ मिट्टी की महक बुझा रही प्यास-बोइरदादर चौक के पास मटका का दुकान लगाए सावन राणा ने बताया कि गर्मी बढ़ने से प्रतिदिन 30-50 मटकों की बिक्री होने लगी हैं। वे मटके के साथ ही मिट्टी का पानी बोतल भी बेचते है। उन्होंने बताया कि मिट्टी के बर्तन की खास बात यह भी है कि इससे पानी पीने से पानी में मिट्टी की जो महक आती है, जो लोगों का काफी पसंद है। यही वजह है कि गर्मियों के दिनों में मिट्टी के बर्तन से पानी पिने का अलग ही आनंद है।

आसमान से बरस रही आग, रायगढ़ जिले में भी लू की चेतावनी

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ का मध्य क्षेत्र अब कुदरत के जानलेवा कहर की चपेट में आ चुका है। सूरज के तेवर इतने तल्ख हो चुके हैं कि आसमान से आग की लपटें बरस रही हैं। रायगढ़ भी इसकी चपेट में है। मौसम विभाग ने आधिकारिक तौर पर छत्तीसगढ़ हीटवे अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों के भीतर प्रदेश के कई हिस्सों में भीषण लू चल सकती है। मंगलवार को राजधानी रायपुर सबसे गर्म रहा, जहाँ पारा 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग में गर्मी का ऐसा विकराल रूप हीटवे अलर्ट देखा जा रहा है कि दोपहर होते-होते सड़कें सुनसान हो रही हैं। इन इलाकों में तापमान लगातार 40 डिग्री के पार बना हुआ है, जिससे न केवल आम इंसान बल्कि पशु-पक्षी भी त्राहि-माम कर रहे हैं। हालांकि बस्तर और सरगुजा संभाग में अभी स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन मौसम विभाग का अनुमान है कि महीने के अंत तक वहां भी सूरज अपना रौद्र रूप दिखाएगा और पारा तेजी से ऊपर चढ़ेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस झुलसा देने वाली गर्मी के पीछे उत्तर-पश्चिम से आने वाली गर्म और शुष्क हवाएं प्रमुख कारण हैं। ये हवाएं रेगिस्तानी तपिश लेकर छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में प्रवेश कर रही हैं। पिछले 24 घंटों में पारा जिस तेजी से ऊपर चढ़ा है, वह आने वाले समय में और भी भयानक हीटवे अलर्ट होने के संकेत दे रहा है। मध्य क्षेत्र में औसत तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर 'लू' की आहट है। मौसम विभाग ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अगले 24 घंटे मध्य छत्तीसगढ़ के लिए 'अग्निपरीक्षा' जैसे होंगे। कई क्षेत्रों में गर्म हवाओं के थपेड़े (लू) चलेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इन गर्म हवाओं का सिलसिला नहीं रुका, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

80 हजार मासिक किराए पर चल रहा डिपो, अब तक करोड़ों का भुगतान फिर भी नहीं बना अपना भवन

जिले में संचालित छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम का गोदाम तीन जिलों की पुस्तकों का भंडारण, पर अपना खुद का गोदाम नहीं

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में संचालित छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम का गोदाम पिछले एक दशक से अधिक समय से किराए के भवन में संचालित हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि तीन जिलों में पाठ्यपुस्तकों के वितरण की जिम्मेदारी संभालने वाला यह महत्वपूर्ण डिपो आज तक अपने स्वयं के भवन से वंचित है। गौरतलब हो कि शहर के कबीर चौक स्थित राज्य वेयरहाउस परिसर में संचालित यह गोदाम न केवल अव्यवस्था का शिकार है, बल्कि पूरे परिसर में गंदगी और असामाजिक तत्वों की मौजूदगी भी अक्सर देखने को मिलती है। इससे किताबों के सुरक्षित भंडारण और वितरण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार इस डिपो से रायगढ़, जशपुर और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के स्कूलों में पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति की जाती है। हर साल शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले लाखों किताबें यहां से विभिन्न स्कूलों तक भेजी जाती हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन द्वारा आज तक इसके लिए स्थायी गोदाम या कार्यालय भवन उपलब्ध नहीं कराया गया है।वर्तमान में यह गोदाम लगभग 80 हजार रुपये प्रतिमाह किराए पर संचालित हो रहा है। यदि पिछले लगभग 15 वर्षों के खर्च का अनुमान लगाया जाए तो शासन द्वारा किराए के रूप में करोड़ों रुपये का भुगतान किया जा चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी राशि में एक सुव्यवस्थित और आधुनिक गोदाम के साथ कार्यालय भवन का निर्माण आसानी से किया जा सकता था।विडंबना यह भी है कि प्रदेशभर में संचालित पाठ्य पुस्तक निगम के डिपो में से अधिकांश के पास आज भी अपना भवन नहीं है। इससे यह सवाल उठता है कि शिक्षा व्यवस्था से सीधे जुड़े इस महत्वपूर्ण विभाग की व्यवस्था दुरुस्त करने की दिशा में अब तक गंभीर पहल क्यों नहीं की गई।शिक्षा सत्र शुरू होने के दौरान यहां हजारों किताबों का भंडारण होता है, ऐसे में यदि परिसर की सुरक्षा और स्वच्छता पर ध्यान नहीं दिया गया तो पुस्तकों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन को इस दिशा में शीघ्र पहल करते हुए रायगढ़ में स्थायी गोदाम और कार्यालय भवन का निर्माण कराना चाहिए।

तीन जिलों की किताबों का जिम्मा

रायगढ़ स्थित पाठ्यपुस्तक निगम डिपो से रायगढ़, जशपुर और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के स्कूलों में पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति की जाती है। हर वर्ष नए शिक्षा सत्र से पहले यहां लाखों किताबों का भंडारण किया जाता है और इन्हें अलग-अलग स्कूलों तक भेजा जाता है। प्राथमिक से लेकर माध्यमिक कक्षाओं तक की पाठ्यपुस्तकों का वितरण इसी डिपो के माध्यम से होता है, जिससे तीनों जिलों के शिक्षा विभाग और स्कूल प्रबंधन इसकी व्यवस्था पर निर्भर रहते हैं।

किराए में खर्च करोड़ों, फिर भी नहीं बना अपना भवन

रायगढ़ में पाठ्यपुस्तक निगम का गोदाम करीब 80 हजार रुपये प्रतिमाह किराए पर संचालित हो रहा है। पिछले लगभग 15 वर्षों में किराए के रूप में करोड़ों रुपये का भुगतान किया जा चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार इतनी राशि में विभाग के लिए स्थायी गोदाम और कार्यालय भवन का निर्माण संभव था। इसके बावजूद प्रदेश के कई स्थानों की तरह यहां भी पाठ्यपुस्तक डिपो आज तक किराए के भवन में ही संचालित हो रहा है।

क्या कहते है कौशलेंद्र शर्मा डिपो प्रभारी रायगढ़, पाठ्यपुस्तक निगम

प्रदेश में संचालित सभी 6 बुक डिपो किराए के गोदाम के संचालित है।स्वयं के कार्यालय एवं गोदाम के लिए कोई भूमि आबंटित नहीं हुई।रायगढ़ में संचालित डिपो के गोदाम हेतु 80 हजार रुपए किराया शासन भुगतान करती है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में शिक्षा एवं आदिवासी विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में बीते गुरुवार को कलेक्टोरेट के दिशा सभाकक्ष मे, स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग की संयुक्त विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक एवं कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण कराना रहा। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी, डीएमसी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि शिक्षा विभाग अंतर्गत कक्षा 11वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र 30 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिए जाएं, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। इसके लिए अधिकारियों का एक समर्पित व्हाट्सएप/ऑनलाइन समूह बनाकर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राज्य छात्रवृत्ति योजना के तहत सभी पात्र विद्यार्थियों को समय-सीमा में छात्रवृत्ति राशि का भुगतान सुनिश्चित करने हेतु जिले के सभी संस्था प्रमुखों की बैठक आयोजित कर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने को कहा गया। साथ ही सभी प्राचार्यों को एम.बी.यू. (मास्टर बेसिक अपडेट) के कार्य को प्राथमिकता से तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अप्रारंभ एवं अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु बीआरसी एवं डीएमसी को नियमित निरीक्षण करने तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत 16 जून 2026 से 30 जून 2026 तक जिले के सभी प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में ÷नेवता भोजन÷ कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए, जिससे विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं पोषण स्तर में सुधार हो सके।बैठक में पेंशन प्रकरणों के निराकरण को भी गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी लंबित पेंशन प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने अंत में कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय एवं सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि जिले के विद्यार्थियों एवं हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

ज्ञानभारतम् पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय बैठक आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कार्यालय बेमेतरा के एनआईसी कक्ष में बीते गुरुवार को ज्ञानभारतम् पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक जिला नोडल अधिकारी की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद बेमेतरा, प्राचार्य शासकीय पंडित जवाहर लाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर संचालनालय पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर के पुरातत्ववेत्ता प्रभात सिंह द्वारा पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन ([illegible]) के माध्यम से अभियान के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले की ग्राम पंचायतों में प्राचीन एवं महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों की पहचान, संकलन एवं दस्तावेजीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायत सचिवों को ÷[illegible] के माध्यम से पंजीयन कर सर्वेक्षण कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है। यह मोबाइल एप गूगल प्ले स्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध है, जिसके माध्यम से पाण्डुलिपियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में भी सर्वेक्षण कार्य संबंधित निकाय प्रमुखों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिले के समस्त महाविद्यालयों में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं द्वारा सर्वेक्षण एवं मोबाइल एप पंजीयन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। इसी प्रकार जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में कार्यरत इतिहास व्याख्याताओं को भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु निर्देशित किया गया है, ताकि निर्धारित समय-सीमा में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया जा सके। बैठक के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों को अभियान में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा अभियान को सफल बनाने हेतु समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया गया।

शासकीय आम फलबहार की नीलामी 22 अप्रैल को, बोली 60 हजार से होगी शुरू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय संजय निकुंज पड़कीडीह में आम के फलबहार की नीलामी 22 अप्रैल 2026 को अपरान्ह 3 बजे आयोजित की जाएगी। उद्यान विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार लगभग 60 आम के पौधों के फलबहार की नीलामी निर्धारित शर्तों के तहत की जाएगी। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यापारियों को पूर्व में कार्यालयीन समय में फलों का अवलोकन करने की सलाह दी गई है। बोली में शामिल होने से पहले प्रत्येक प्रतिभागी को 5,000 रुपये की धरोहर राशि जमा करनी होगी। यह राशि नीलामी के बाद प्रथम और द्वितीय बोलीकर्ता को छोड़कर अन्य सभी को वापस कर दी जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल वही व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकेंगे जिन पर कार्यालय का कोई बकाया नहीं है। नीलामी में सर्वाधिक बोली लगाने वाले को 3 दिनों के भीतर कुल राशि का एक-तिहाई जमा करना होगा, अन्यथा उसकी धरोहर राशि जब्त कर द्वितीय बोलीकर्ता को अवसर दिया जाएगा।

शेष राशि फल तुड़ाई से पूर्व दो किस्तों में जमा करनी होगी। साथ ही, फसल की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी और किसी प्राकृतिक आपदा से हुई क्षति को मान्य नहीं किया जाएगा। अन्य शर्तों के अनुसार : फल तोड़ते ही वजन कराना अनिवार्य होगा, प्रति पौधे 10 फल शासन को निःशुल्क देने होंगे, बगीचे और अन्य पौधों को नुकसान पहुंचाने पर भरपाई करनी होगी, फल तोड़कर बगीचा खाली करने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। नीलामी की प्रारंभिक बोली 60,000 रुपये रखी गई है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि देशी आम के फलबहार को इस नीलामी में शामिल नहीं किया जाएगा। उद्यान विभाग के सहायक संचालक को नीलामी की बोली स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार रहेगा।

डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा का 10वीं बोर्ड में शत-प्रतिशत परिणाम, विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल

शिक्षा में उत्कृष्टता का उदाहरण: डीएवी जांता बेमेतरा का शत-प्रतिशत रिजल्ट

जिले में छात्र पुष्केश्वर ने 95:20 लाकर विद्यालय का मान बढ़ाया।

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा स्थित क्षेत्र के प्रतिष्ठित एवं एकमात्र सीबीएसई विद्यालय, डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए इस वर्ष कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय की इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है, वहीं विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिल रहा है। विद्यालय के प्राचार्य श्री पी. एल. जायसवाल ने इस गौरवपूर्ण सफलता पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का सामूहिक परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने का प्रयास जारी रहेगा।इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने न केवल शत-प्रतिशत परिणाम दिया, बल्कि उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम भी रोशन किया। परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में पुष्केश्वर निर्मलकर ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सीताराम ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर दिनेश साहू ने 88.4 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके अलावा मोक्ष साहू ने 87.6 प्रतिशत अंक के साथ चतुर्थ तथा केशर चन्द्राकर ने 85.4 प्रतिशत अंक, प्राप्त कर पंचम स्थान प्राप्त किया। राघवेंद्र चंद्राकर 84.4 प्रतिशत अंक व डोली चंद्राकर 80 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।प्राचार्य पी एल जायसवाल ने सभी छात्रों व पालकों को बधाई व शुभकामनाएं दिए, विद्यालय की इस उल्लेखनीय सफलता में समस्त शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी परीक्षा के लिए तैयार किया।

इस उपलब्धि में विशेष योगदान देने वाले शिक्षकों में ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल, आयुषी जैन, अनिल चंद्रवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख, पुनम शर्मा, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू, ममता चंद्राकर,राजा तंतुवाय, अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, माननी, शोभा रानी, रेणुका पटेल, लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव, स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव,रितिका साहू, भारती, अन्नू चंद्राकर, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चंद्राकर,सहित अन्य समस्त शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी इसी प्रकार मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर इस सफलता का जश्न मनाया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। यह परिणाम न केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है, जो यह दर्शाता है कि समर्पण, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

कलेक्टर की अनुमति के बिना नहीं छोड़ सकेंगे मुख्यालय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जनगणना 2027 के तहत जिले में चल रहे महत्वपूर्ण कार्यों को समयबद्ध एवं सुचारू रूप से पूर्ण कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत जनगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के अवकाश पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, जनगणना कार्य में नियुक्त कोई भी अधिकारी या कर्मचारी कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना अवकाश पर नहीं जा सकेगा और न ही मुख्यालय छोड़ सकेगा। यह निर्णय भारत सरकार, गृह मंत्रालय एवं भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। ज्ञात हो कि भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत ÷मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना÷ का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक निर्धारित किया गया है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु यह कदम उठाया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी को विशेष परिस्थितियों में अवकाश की आवश्यकता होती है, तो उन्हें जिला जनगणना शाखा के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करना होगा। उक्त आवेदन पर कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी से पूर्वानुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। बिना पूर्व स्वीकृति के लिया गया अवकाश मान्य नहीं होगा। इसके साथ ही, जिन अधिकारियों या कर्मचारियों के अवकाश पूर्व में उनके कार्यालय प्रमुख द्वारा स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें भी पुनः जिला जनगणना शाखा के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर कलेक्टर से अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

बॉलीवुड को मिली रोंगटे खड़े कर देने वाली ज़ॉम्बी थ्रिलर 'अंडर ग्रेव ज़ॉम्बीज़' की घोषणा।

- भारत की पहली सुपर कूल हॉरर थ्रिलर फिल्म जो ज़ॉम्बीज़ (जाग उठा शैतान) पर आधारित है।

जीत, मुंबई /मूक पत्रिका

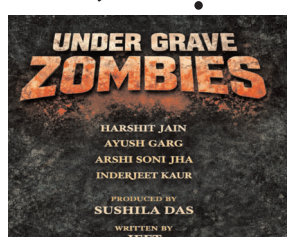

आतंक की एक नई खुराक के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि रामायण एंटरटेनमेंट्स अपनी आगामी हॉरर थ्रिलर ÷अंडर ग्रेव ज़ॉम्बीज़÷ का अनावरण कर रहा है। फिल्म का निर्माण सुशीला दास ने किया है और इसकी परिकल्पना, लेखन और निर्देशन जीत ने किया है। जनसंपर्क का काम सतरंगी मीडिया पीआर सर्विसेज और पेज1 नेटवर्क संभाल रहे हैं। स्टार कास्टः फिल्म में हर्षित जैन, आयुष गर्ग, इंद्रजीत कौर, सोनी झा, मेधावी और अर्शी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जो हॉरर शैली में नए चेहरे और ज़बरदस्त तीव्रता लेकर आए हैं। कहानीः ÷अंडर ग्रेव ज़ॉम्बीज़÷ एक भयानक आधार पर आधारित एक पूरी तरह से हॉरर थ्रिलर हैः एक शांत गाँव तब दुःस्वप्न में बदल जाता है जब मरे हुए लोग वापस जीवित होने लगते हैं। कारण? खेती में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक स्प्रे से फैला एक जानलेवा संक्रमण। जो मामला स्थानीय स्वास्थ्य संकट के रूप में शुरू होता है, वह जल्द ही जीवन-मरण की लड़ाई में बदल जाता है, क्योंकि संक्रमित ग्रामीण हिंसक ज़ॉम्बी में बदल जाते हैं। तकनीकी विशेषताः फिल्म निर्माता डोमिनिक के ज़बरदस्त बैकग्राउंड स्कोर के साथ भयानक हॉरर का अनुभव देने का वादा करते हैं, जो दर्शकों को अपनी सीटों पर बांधे रखेगा। सन्नाटे से लेकर अचानक झटकों तक, साउंड डिज़ाइन अपने आप में एक किरदार होगा। शूटिंग स्थानः फिल्म की शूटिंग तीन अलग-अलग जगहों पर की जाएगी, जो ग्रामीण भय और शहरी दहशत दोनों को दर्शाएगीः वाराणसी, बिलासपुर और मुंबई। वाराणसी के पवित्र घाटों का ज़ॉम्बी हॉरर के साथ मेल दर्शकों को एक अभूतपूर्व दृश्य अनुभव प्रदान करेगा। निर्देशक जीत कहते हैं, ÷यह सिर्फ एक और ज़ॉम्बी फिल्म नहीं है। यह हमारे आसपास दिखने वाले एक मुद्दे - खेती में रसायनों के दुरुपयोग - पर आधारित है। जब प्रकृति पलटवार करेगी, तो वह सुखद नहीं होगा। 'अंडर ग्रेव ज़ॉम्बीज़' सामाजिक संदर्भ को शुद्ध हॉरर के साथ जोड़ती है।÷ निर्माता सुशीला दास* कहती हैं, ÷रामायण एंटरटेनमेंट्स भारतीय सिनेमाघरों में नए जमाने की हॉरर फिल्म लाना चाहता है।

रायगढ़ में शराब तीन साल में 100 करोड़ बढ़ गई कमाई, लोगों ने 36 महीनों में गटक ली 444 करोड़ की शराब, आंकड़ा देख उड़ जाएंगे

रायगढ/मूक पत्रिका

बहुत आश्चर्य की बात है कि महज तीन ही साल में रायगढ़ जिले में 100 करोड़ की शराब ज्यादा बिक गई। पिछली सरकार 2023 के अंत तक काबिज रही। तब की नीतियों के हिसाब से जितने शराब का बिक्री हुई थी, उससे 100 करोड़ ज्यादा की शराब इस साल बिक गई। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान प्रदेश में भ्रष्टाचार सबसे बड़ा मुद्दा बना था। इसमें भी शराब घोटाला अहम था। तब शराब विक्रय के लिए बनाई गई नीतियां अलग थी। शराब कंपनियों से एग्रीमेंट को लेकर अजीब निर्णय लिए गए थे। इसकी वजह से आय पर भी असर पड़ा। वर्ष 22-23 में प्रदेश में 8838 करोड़ की शराब बेची गई थी जो 25-26 में बढक़र करीब 13 हजार करोड़ पहुंच गया है। ऐसा ही कुछ रायगढ़ जिले में भी नजर आया है।

वर्ष 22-23 की तुलना में इस वर्ष शराब की बिक्री में 100 करोड़ की बढ़ोतरी हो गई। तीन साल पहले रायगढ़ जिले में 344 करोड़ की शराब बिकी थी। वर्ष 25-26 में शराब बिक्री का आंकड़ा बढक़र 444 करोड़ पहुंच गया है। महज तीन साल में ही 100 करोड़ का इजाफा कोई सामान्य बात नहीं है जबकि दुकानों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हुई है। इसका प्रमुख कारण ब्रांड की उपलब्धता और कीमत में वृद्धि है। बेची गई शराब की मात्रा में भले ज्यादा अंतर नहीं है, लेकिन कीमत बढऩे के कारण राजस्व बढ़ा

बढ़ी कीमतों ने बढ़ाई बिक्री

शराब की बिक्री से प्राप्त राशि 24-25 में कम हो गई थी। नीति को लेकर स्पष्टता नहीं थी। इसके बाद बड़े ब्रांड्स की उपलब्धता सुनिश्चित की गई और कीमतें भी बढ़ाई गई। इसी वजह से शराब बेचने से प्राप्त राशि अचानक से बढ़ गई। आबकारी विभाग के अधीन दुकानों में मैन पावर सप्लाई करने वाली कंपनी भी बदली गई है।

वर्ष	विक्रय से प्राप्त राशि
22-23	344.83 करोड़
23-24	419.59 करोड़
24-25	375.56 करोड़
25-26	444.09 करोड़

नालसा योजनाओं की जानकारी देकर नागरिकों को किया गया जागरूक

ग्राम रांका में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में ग्राम रांका में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को विभिन्न विधिक अधिकारों एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर का संचालन डिफेंस काउंसिल के प्रतिरक्षा अधिवक्ता आयुष शुक्ला, देवेंद्र साहू एवं दुर्गा साहू द्वारा किया गया। शिविर के दौरान अधिवक्ताओं ने ग्रामवासियों को नालसा (मानव तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों हेतु योजना), 2015 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना मानव तस्करी, जबरन वेश्यावृत्ति एवं यौन शोषण के शिकार महिलाओं, बच्चों एवं अन्य पीड़ितों के संरक्षण के लिए बनाई गई है। इस योजना के अंतर्गत पीड़ितों को निःशुल्क कानूनी सहायता, न्यायालय में सहायता, पुनर्वास, सुरक्षा तथा मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में नालसा (एसिड अटैक पीड़ितों को विधिक सेवाएं योजना) के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि एसिड हमले के पीड़ितों को गंभीर शारीरिक एवं मानसिक क्षति होती है। इस योजना के अंतर्गत उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता, मुआवजा दिलाने में सहयोग, उपचार एवं पुनर्वास की सुविधा के साथ-साथ सरकारी योजनाओं से जोड़ने में मदद प्रदान की जाती है। साथ ही अपराधियों के विरुद्ध न्यायालय में प्रभावी पैरवी हेतु सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को नालसा (बच्चों के लिए बाल-मित्र कानूनी सेवाएं योजना), 2024 के बारे में भी जागरूक किया गया। अधिवक्ताओं ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बच्चों को कानूनी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षित, सहज एवं भयमुक्त वातावरण प्रदान करना है। इसके तहत बच्चों से मित्रवत व्यवहार किया जाता है, उन्हें मानसिक सहारा दिया जाता है तथा बाल पीड़ित, बाल अपराधी, अनाथ एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाती है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (विधिक क्लीनिक) विनियम, 2011 के तहत संचालित लीगल क्लीनिक की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ग्रामीण एवं जरूरतमंद नागरिकों तक निःशुल्क कानूनी सहायता पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों जैसे गांव, जेल, स्कूल, कॉलेज एवं न्यायालयों में विधिक क्लीनिक स्थापित किए जाते हैं। इन क्लीनिकों में नागरिकों को मुफ्त कानूनी सलाह, आवेदन लेखन में सहायता तथा उनके अधिकारों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। शिविर के अंत में अधिवक्ताओं ने ग्रामवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या या अधिकारों के हनन की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निःशुल्क सहायता का लाभ उठाएं। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और उन्होंने योजनाओं के प्रति जागरूकता प्राप्त की।

संपादकीय

बाल तस्करी -जो बच्चे भविष्य थे, वही खतरे में

हैरानी की बात यह है कि बाल तस्करी के फैलते जाल पर शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बावजूद कई राज्यों ने अब तक न जरूरी रपट तैयार की है और न ही समितियां बनाई हैं।इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन नौनिहालों को हम देश का भविष्य मानते हैं, उनमें से बहुत सारे बच्चे आज बहुस्तरीय जोखिम के बीच से गुजर रहे हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के अनेक रूप के अलावा बाल तस्करी का संजाल आज इस कदर जटिल होता जा रहा है कि इससे निपटना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि इस अपराध को काबू में करना और बच्चों को इस खतरे से बचाना सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी और सबसे ऊपर की प्राथमिकता में दर्ज होना चाहिए। मगर हालत यह है कि देश के सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देना पड़ रहा है कि वे बच्चों के खिलाफ इस अपराध को गंभीरता से लें।गौरतलब है कि बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है।हैरानी की बात यह है कि बाल तस्करी के फैलते जाल पर शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बावजूद कई राज्यों ने अब तक न जरूरी रपट तैयार की है और न ही समितियां बनाई हैं। समस्या की गंभीरता को देखते हुए स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताई। दरअसल, करीब एक वर्ष पहले अदालत ने अपने एक फैसले में संगठित तस्करी के जाल को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए थे। इनमें तस्करी के मामलों में छह महीने के भीतर हर रोज सुनवाई करना, मानव तस्करी रोधी इकाइयों को मजबूत करना और जांच प्रक्रिया में सुधार करना शामिल था।अदालत ने राज्यों को यह निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित संवेदनशील स्थानों की पहचान और निगरानी के लिए राज्यस्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मान कर जांच शुरू करें। मगर इस मुद्दे पर राज्य सरकारों के रुख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई राज्यों ने अभी तक तय प्रारूप में रपट तक दाखिल नहीं की है। सरकारी तंत्र में इस इच्छाशक्ति के अभाव और उदासीनता की वजह क्या यह है कि जो बच्चे तस्करी का शिकार हो जाते हैं, उनमें ज्यादातर समाज के गरीब और कमजोर तबके से आते हैं?यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि देश में बाल तस्करी का संकट पिछले कुछ वर्षों के दौरान कितना गहरा गया है। खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बच्चों के लापता होने के मामलों में काफी तेजी दर्ज की गई। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश की स्थिति ज्यादा गंभीर है। सही है कि लापता होने वाले तमाम बच्चों में से कइयों को पुलिस खोज लेती है, लेकिन उनमें से बहुतों की कोई खबर नहीं मिलती। सवाल है कि जिन बच्चों को नहीं खोजा जा पाता, वे कहां जाते हैं और उनके साथ क्या होता है।यह समझना मुश्किल नहीं है कि देश भर में जो बच्चे गायब हो जाते हैं, उन्हें बाल मजदूरी से लेकर यौन शोषण और अपराध की दुनिया के अंतहीन दलदल में झोंक दिया जाता है। एक परिवार अपने बच्चे के लापता होने के बाद किस दंश और दुख से गुजरता है, यह शायद बताने की जरूरत नहीं है। मगर कोई भी समाज और सत्ता बच्चों की तस्करी के मुद्दे को लेकर अगर गंभीर नहीं है, तो यह एक तरह से अपने ही भविष्य की त्रासदी को नजरअंदाज करना है।

सुरों की आशा बनकर गूंजती रहेंगी आशा भोसले

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया।

(ललित गर्ग)

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, चुरा लिया है तुमने, दिल चीज क्या है जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारतीय संगीत की सरस्वती- सुरधारा मौन हो गई

(प्रणय विक्रम सिंह)

स्वर जब साधना बन जाए और साधना जब संवेदना में ढलकर पीढ़ियों के हृदय में घर कर ले, तब वह केवल संगीत नहीं रहता, वह संस्कृति बन जाता है।

'पद्म विभूषण' से अलंकृत महान गायिका आशा भोसले जी का निधन इसी सांस्कृतिक चेतना की एक अमिट धारा के अवसान का क्षण है।

आशा ताई केवल एक स्वर नहीं थीं, वे भारतीय संगीत की वह विस्तृत यात्रा थीं, जिसमें समय, समाज और संवेदना एक साथ बहते रहे। उनके गीतों में जीवन के हर रंग थे। यौवन की चंचलता, प्रेम की मधुरता, विरह की वेदना और संघर्ष की सघनता की हर छटा व्याप्त थी। उन्होंने जिस सहजता से विविध भावों को अपने स्वर में पिरोया, वह उन्हें असाधारण बनाता है।

मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में गाया गया उनका पहला गीत 'चला चला नाव वाला' और हिंदी सिनेमा में 'चुनरिया' (1948) का 'सावन आया', केवल आरंभ नहीं थे, बल्कि उस अनवरत साधना के प्रथम स्वर थे, जिसने आने वाले दशकों तक संगीत को नई ऊंचाइयां दीं।उनकी गायकी का विस्तार इतना व्यापक था कि वह किसी एक शैली, भाषा या युग की सीमा में बंधकर नहीं रह सकी।20 से अधिक भारतीय भाषाओं में 11 हजार से भी अधिक गीतों को अपनी आवाज देने वाली आशा जी ने संगीत को सचमुच बहुभाषी और बहुरंगी बना दिया। यही नहीं, उनके इस अद्भुत योगदान ने उन्हें वर्ष 2011 में सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग करने वाली कलाकार के रूप में।गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान दिलाया। उनकी प्रतिभा की गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही। वर्ष 2005 में ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकन पाने वाली वह पहली भारतीय महिला गायिका बनीं। यह उपलब्धि उनके स्वर की वैश्विक स्वीकृति का प्रमाण है।शास्त्रीयता की गहराई से लेकर आधुनिकता की गति तक, उन्होंने हर आयाम को अपनी स्वर-साधना से स्पर्श किया। यही कारण है कि उनके गीत केवल सुने नहीं जाते, बल्कि महसूस किए जाते हैं। वे स्मृतियों में बसते हैं और समय के साथ और अधिक अर्थवान होते जाते हैं। 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गीतों ने उस दौर में नई अभिव्यक्ति का साहस दिया। वे केवल गाने नहीं थे, बल्कि बदलते समाज की धड़कन थे। यद्यपि इन गीतों को लेकर विवाद भी हुए, किंतु यही विवाद उनकी निर्भीक कला-साधना और प्रयोगधर्मिता का प्रमाण बन गए।

आशा जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने संगीत को केवल कला के रूप में नहीं, बल्कि जीवन के अनुभव के रूप में जिया। उनके स्वर में एक जीवंतता थी, जो श्रोताओं को सीधे उनके भाव-जगत से जोड़ देती थी। वह आवाज कभी थकती नहीं थी, वह हर दौर के साथ स्वयं को नया रूप देती रही और यही उनका चिरंतन आकर्षण था।

उनका जाना एक कलाकार का जाना भर नहीं है, यह उस युग का अवसान है, जिसने भारतीय संगीत को विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान दी। परंतु उनकी विरासत उनके गीतों में, उनके सुरों में और उन अनगिनत हृदयों में जीवित रहेगी, जिन्हें उन्होंने स्पर्श किया।

आज जब वह स्वर मौन हुआ है, तब भी उसकी गूंज शाश्वत है। वह गूंज हमें यह स्मरण कराती रहेगी कि कला कभी समाप्त नहीं होती, वह केवल रूप बदलती है और महान कलाकार अपने पीछे एक ऐसा आकाश छोड़ जाते हैं, जिसमें उनके सुर सदैव झंकृत होते रहते हैं।

प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि महान संगीत-साधिका को ऐसे दिव्य लोक में स्थान प्रदान करें, जहां नाद ही नित्य हो, सुर ही सत्य हों और साधना ही शाश्वत शांति बनकर विराजमान हो।

मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में गाया गया उनका पहला गीत 'चला चला नाव वाला' और हिंदी सिनेमा में 'चुनरिया' (1948) का 'सावन आया', केवल आरंभ नहीं थे, बल्कि उस अनवरत साधना के प्रथम स्वर थे, जिसने आने वाले दशकों तक संगीत को नई ऊंचाइयां दीं।उनकी गायकी का विस्तार इतना व्यापक था कि वह किसी एक शैली, भाषा या युग की सीमा में बंधकर नहीं रह सकी।

बंगाल में आक्रामक हुआ चुनाव प्रचार, जारी हुआ भाजपा संकल्प पत्र

भाजपा भी इस बार सरकार बनाने के लिए लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हल्दिया, आसनसोल व सिउड़ी में विशाल जनसभाओं में बंगाल की जनता को छह गारंटियां दीं जिनको भाजपा के संकल्प पत्र में दोहरा कर मजबूत किया गया। इन जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ एक ओर विकास और सुशासन का एजेंडा सामने रखा वहीं दूसरी ओर टीएमसी सरकार पर चौतरफा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबका साथ सबका विकास तो होगा ही लेकिन जिन लोगों ने लूटा है, उन लुटेरों का हिसाब भी होगा।

(मृत्युंजय दीक्षित)

भाजपा ने अपने घोषणापत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों, बुजुर्गों एवं व्यापारियों के लिए घोषणा की है। भाजपा के संकल्प पत्र में बंगाल मे राजनीतिक हिंसा की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एक विशेष आयोग बनाया जाएगा और सभी मामलों की जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

असम, केरल व पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव हेतु मतदान संपन्न हो जाने के बाद पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव प्रचार मे आक्रामकता आ गई है। बंगाल के सन्दर्भ में प्राप्त विश्लेषणों के अनुसार ऐसा लग रहा है कि इन चुनावों में बंगाल में मात्र दो प्रतिशत मतों के अंतर से ही सरकार बनने का खेल होने वाला है। सत्ता के लिए प्रमुख लड़ाई चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रयासरत ममता बनर्जी तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच ही है और यही दोनों आक्रामक रूप से चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने पहले ममता सरकार के खिलाफ श्वेत पत्र जारी किया फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन विशाल जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया।

इस बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने बीजेपी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर हिंसा को बढ़ावा देने वाली बयानबाजी आरम्भ कर दी। अभिषेक बनर्जी तो अपनी रैली में सीधे तौर पर भाजपा के कार्यकर्ताओं की गर्दन, हाथ, पैर तोड़ने तक की बात कह रहे हैं। इसके लिए उनके खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से एफआईआर भी की गई है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने स्वयं चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और लगातार कोर्ट में अभियान चला रही हैं। बंगाल की मतदाता सूची से लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम कट जाने से वह अधिक परेशान हैं।

भाजपा भी इस बार सरकार बनाने के लिए लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हल्दिया, आसनसोल व सिउड़ी में विशाल जनसभाओं में बंगाल की जनता को छह गारंटियां दीं जिनको भाजपा के संकल्प पत्र में दोहरा कर मजबूत किया गया। इन जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ एक ओर विकास और सुशासन का एजेंडा सामने रखा वहीं दूसरी ओर टीएमसी सरकार पर चौतरफा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबका साथ सबका विकास तो होगा ही लेकिन जिन लोगों ने लूटा है, उन लुटेरों का हिसाब भी होगा। उन्होंने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विगत 15 वर्षों में राज्य में सिंडीकेट, कट मनी और गुंडाराज का बोलबाला रहा है जिससे आम जनता का विश्वास टूटा है। भाजपा सरकार आने पर भय की जगह भरोसा कायम किया जायेगा। भ्रष्टाचार करने वालों को जेल भेजेंगे। सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा। हर घोटाले, भ्रष्टाचार ओर बहन बेटियों के साथ हुए अन्याय की फाइलें, खुलेंगी। घुसपैठियों को खोज खोजकर खदेड़ा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की विशाल जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया है जिसमें कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गयी हैं। बंगाल में कोलकाता के भाजपा कार्यालय में एक विशाल वंदेमातरम संग्रहालय बनाया जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि हम वंदे मातरम की परिकल्पना के माध्यम से

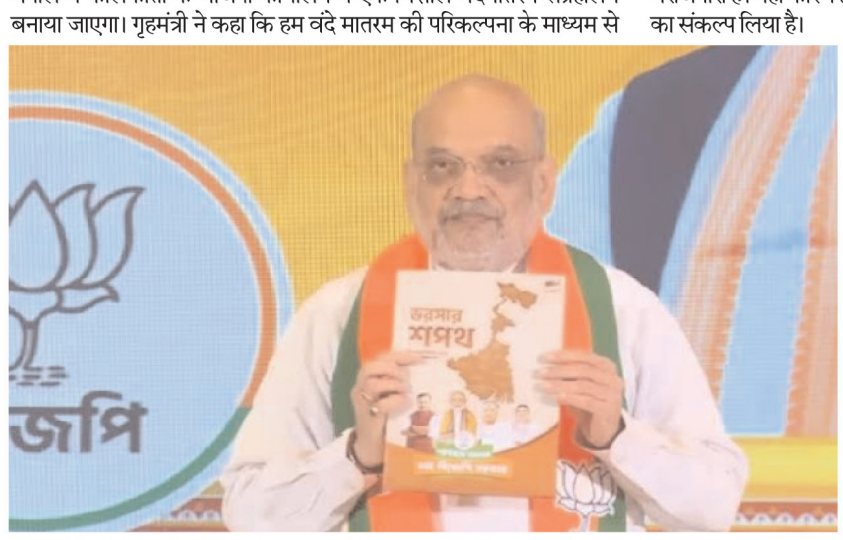

बंगाल की संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेंगे। अभी वंदेमातरम की 150 वीं जयंती पर संसद में विशेष सत्र का आयोजन हो चुका है तथा साथ ही अब सरकारी आयोजनों में संपूर्ण वंदेमातरम गायन अनिवार्य किया जा चुका है। बंगाल की दृष्टि से वंदेमातरम संग्रहालय की स्थापना एक महत्वपूर्ण घोषणा है।

सिंगूर को लेकर घोषणा- भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में दूसरी बड़ी घोषणा सिंगूर को लेकर की है जिसमें भाजपा ने सरकार बनने के बाद वहां एक औद्योगिक पार्क बनाने का संकल्प किया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सिंगूर से अपनी राजनैतिक जमीन बनाने की शुरुआत की थी। पश्चिम बंगाल का सिंगूर विवाद भारत के औद्योगिक और राजनीतिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना रही है। सिंगूर विवाद वर्ष 2006 में शुरू हुआ था जब तत्कालीन वामपंथी सरकार ने हुगली जिले के सिंगूर में टाटा मोटर्स को नैनो कार बनाने के लिए करीब 997 एकड़ जमीन दी। सरकार ने यह जमीन पुराने भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत ली थी किंतु सरकार ने निर्णय का कुछ स्थानीय किसान संगठनों ने विरोध किया था तब ममता बनर्जी किसानों के समर्थन में आ गई और मां, माटी और मानुष का नारा दिया। आज बंगाल मे सभी कल कारखाने बंद हो चुके हैं और भारी बेरोजगारी है। यही कारण है कि भाजपा ने अब सिंगूर में ही औद्योगिक पार्क बनवाने का संकल्प लिया है।

संकल्प पत्र में राज्य में कानून व्यवस्था सुधारने और विकास को गति देने को भाजपा का लक्ष्य बताया गया है। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों, बुजुर्गों एवं व्यापारियों के लिए घोषणा की है। भाजपा के संकल्प पत्र में बंगाल मे राजनीतिक हिंसा की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एक विशेष आयोग बनाया जाएगा और सभी मामलों की जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। इसके अलावा घुसपैठियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट नीति लागू की जाएगी। कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता लागू किया जाएगा। महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की सभी योजनाएं बंगाल में लागू की जाएंगी। भाजपा ने बंगाल में भी समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया है और युवाओं को एक करोड़ रोजगार देने का वादा भी किया है।

भाजपा वर्ष 2026 में बंगाल से ममता सरकार की विदाई तय करने के लिए सतर्कता के साथ कड़ी मेहनत कर रही है। बंगाल के विश्लेषकों का मत है कि बंगाल में ममता दीदी का दुर्ग भेदना अभी भी बहुत कठिन है क्योंकि चुनावी हिंसा बहुत अधिक होती है लेकिन इस बार चुनाव आयोग भी बहुत सख्त है अतः परिस्थिति बदल सकती है। इस बार चुनावों के बाद भी दो माह तक बंगाल में केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। विश्लेषकों कहना है कि यदि इस बार बंगाल चुनाव बिना किसी हिंसा के संपन्न हो जाते हैं तो भाजपा सरकार बनने की सम्भावना भी बन सकती है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बरमकेला में जनगणना प्रशिक्षण का किया अवलोकन

जनगणना कार्य में त्रुटि न हो: कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बरमकेला में चल रहे जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण का निरीक्षण कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की प्रक्रिया, उपस्थित कर्मियों की सहभागिता तथा दिए जा रहे विषय-वस्तु की जानकारी ली। कलेक्टर ने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उपस्थिति अनिवार्य सुनिश्चित की जाए और अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण मॉड्यूल के बारे में विस्तार से चर्चा की और सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी कर्मियों को जनगणना के प्रत्येक बिंदु की स्पष्ट एवं व्यवहारिक जानकारी दी जाए। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रगणकों को जनगणना संबंधित सवाल भी किया और पूछा कि इस बार की जनगणना कठिन है या पहले वाला। तब सभी ने एक स्वर में कहा कि इस बार मोबाइल एप की जनगणना सरल है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्राप्त आंकड़े शासन की नीतियों एवं योजनाओं के निर्माण का आधार बनते हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी गणनाकार एवं पर्यवेक्षक पूरी गंभीरता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर विशेष ध्यान देने, डिजिटल एप्लीकेशन के उपयोग में दक्षता बढ़ाने तथा किसी भी प्रकार की शंका का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

जनगणना : विकास की योजनाओं की आधारशिला–कलेक्टर ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं है, बल्कि यह देश और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाएं तैयार की जाती हैं। इसलिए नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी की सटीकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार पुष्पेंद्र कुमार राज भी उपस्थित थे।

जनगणना-2027 : 16 से 30 अप्रैल तक स्व-गणना– गुरुवार 16 अप्रैल से स्व-गणना शुरू हो गया है, जो 30 अप्रैल तक निर्धारित पोर्टल से कोई भी नागरिक अपना स्वगणना पत्रक ऑनलाइन भरा। इससे एक आई डी प्राप्त होगा, जिसे प्रगणक जब आपके घर आएंगे तब बताना होगा, लेकिन यदि आप यह फॉर्म नहीं भर पाते तो 1 से 30 मई के बीच प्रगणक आपके घर आकर जानकारी लेंगे।

प्रथम चरण 01 से 30 मई में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना– भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिले में भी दो चरणों में जनगणना होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य 01 मई से 30 मई 2026 तक किया जायेगा।

ज्ञानभारत मिशन के तहत जिले में प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण की पहल, जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर 16 अप्रैल 2026भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किए गए ÷ज्ञानभारत मिशन÷ के अंतर्गत जिले में प्राचीन ज्ञान परंपरा और बौद्धिक धरोहर के संरक्षण एवं संग्रहण के लिए जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में गठित समिति के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह सदस्य सचिव हरेश मंडावी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में ÷राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान÷ के तहत जिले में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों, ताड़पत्रों और हस्तलिखित पोथियों के सर्वेक्षण व संग्रहण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसके लिए जिले की ग्राम पंचायतों, नगरपालिकाओं, नगर पंचायतों, राज महलों, धार्मिक संस्थानों, प्राचीन मंदिरों, ट्रस्ट, मठ, विद्यालयों और महाविद्यालयों से संपर्क कर वहां सुरक्षित प्राचीन दस्तावेजों की जानकारी जुटाने की रूपरेखा तैयार की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने कहा कि जनजातीय बहुल जिले में विभिन्न समाज प्रमुखों से सीधे संपर्क कर उनके निजी व सरकारी दस्तावेजों के माध्यम से भी महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की जाएगी, ताकि भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा के प्रमाणों को सुरक्षित किया जा सके और आने वाली पीढ़ियां इस अमूल्य धरोहर से परिचित हो सकें। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले की सभी नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में दायित्व सौंपने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत स्टेला खलको, भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चेतन लाल पटेल, सहायक प्राध्यापक शरद ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निपान, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कांकेर पवन मोरिया, जिला मिशन समन्वयक नवनीत पटेल तथा भाषाविद् सुकलाल नुरेशिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वर्णिम जीतः छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम को गोल्ड, बीजापुर की बेटियों का शानदार प्रदर्शन

बीजापुर/मूक पत्रिका

प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। टीम की इस जीत में बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी की खिलाड़ी बिंदु तेलम और मीना कश्यप का अहम योगदान रहा। तुमनार गांव की रहने वाली बिंदु तेलम ने अपने खेल से खास पहचान बनाई है। किसान परिवार से आने वाली बिंदु पहले भी जूनियर नेशनल यूथ गेम्स और इंडियन वुमेंस लीग में खेल चुकी हैं। फिलहाल वे पढ़ाई के साथ खेल को आगे बढ़ा रही हैं। मीना कश्यप ने भी टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया। वे जूनियर और सीनियर नेशनल के साथ इंडियन वुमेंस लीग में हिस्सा ले चुकी हैं। मीना कॉलेज के अंतिम वर्ष की छात्रा हैं और नगर सैनिक के रूप में भी सेवाएं दे रही हैं। खिलाड़ियों की इस सफलता में कोच ज्योति यादव का मार्गदर्शन अहम रहा। उनके प्रशिक्षण में टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। टीम की इस उपलब्धि से बीजापुर सहित पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल है। कलेक्टर संबित मिश्रा और खेल प्रभारी उत्तम सिंह पंचारी सहित अन्य अधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी है।

सारंगढ़ में बाइक रैली निकालकर महिलाओ ने दी नारी शक्ति वंदन अधिनियम को समर्थन

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 9667173333 पर मिसकॉल से कर सकते हैं समर्थन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारत के सभी क्षेत्रों में महिलाओं को मजबूत प्रतिनिधित्व और सशक्तिकरण दिलाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में नारी शक्ति वंदन बाइक रैली का आयोजन शाम को 5 बजे के आसपास सारंगढ़ में जनपद पंचायत कार्यालय सारंगढ़ से खेलभांठा मैदान तक किया गया। बाइक रैली के माध्यम से महिला शक्ति ने दी नारी शक्ति वंदन अधिनियम को समर्थन दी, वहीं 9667173333 पर मिसकॉल से नारी शक्ति वंदन अधिनियम को समर्थन कर सकते हैं। इस रैली के समापन कार्यक्रम खेलभांठा मैदान में किया गया, जहां पूर्व विधायक कामदा जोल्हे, केरा बाई मनहर, जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी साहू, सहोदरा सिदार, वैजन्ती लहरे, लक्ष्मी साहू आदि की अगुवाई में सैंकड़ो महिलाएं शामिल थी। कार्यक्रम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को, पंचायत से लेकर संसद तक विधानसभा और लोकसभा में आरक्षण बढ़ाने के प्रावधान का स्वागत करते हुए कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान से भी महिलाओ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को समर्थन दी।

ई-चालान की अवैध प्रक्रिया की शिकायत भू तल परिवहन मंत्री से

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पूरे देश में वाहनों के विरुद्ध किए जा रहे ई-चालान की अवैध प्रक्रिया के संबंध में शिकायत तथा ऑनलाईन चालान की प्रक्रिया समाप्त किये जाने व पूर्व में किये गये बिना सुनवाई का अवसर दिये ऑनलाईन चालान को निरस्त करने की मांग भू तल मंत्री नितिन गडकरी से छत्तीसगढ यातायात महासंघ की ओर से किया गया है इस संबंध में जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के बेमेतरा जिला अध्यक्ष राम गोपाल साहु ने बताया कि देश में विभिन्न प्रकार के यातायात के साधन प्रचलित हैं, जिनमें यात्री वाहन (बस, टैक्सी, ऑटो, ट्रैवलर), मालवाहक वाहन (ट्रक आदि) तथा व्यक्तिगत उपयोग के वाहन (टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर) भी शामिल हैं। गत 05 वर्षों से यह देखा जा रहा है कि परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलती वाहनों के पीछे से फोटो लेकर ई-चालान जारी किया जा रहा है। उक्त चालान में एक निश्चित राशि अंकित कर सीधे आम जनता से वसूली हेतु दबाव बनाया जाता है। यह प्रक्रिया प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के प्रतिकूल है, जिसके अनुसार किसी भी व्यक्ति को दंडित करने से पूर्व उसे सुनवाई का उचित अवसर प्रदान किया जाना आवश्यक है। वर्तमान में बिना किसी पूर्व सूचना अथवा सुनवाई के, विभिन्न आधारों जैसे ड्राइविंग लाइसेंस ,बीमा समाप्त होनासफ्टिनेस प्रमाण पत्र,परमिट संबंधी त्रुटियाँ,चालक की वर्दी,चलती यात्री बसों में ओवर सीट होना,तीव्र गति से वाहन संचालन।

बीजापुर में जनगणना की तैयारी पूरी, 16 अप्रैल से खुद भर सकेंगे विवरण

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश पर प्रशासन ने जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। शहर से लेकर गांव तक चौक-चौराहों पर बैनर-पोस्टर लगाए जा रहे हैं, वहीं ऑडियो प्रचार के जरिए भी लोगों तक जानकारी पहुंचाई जा रही है।जनगणना के पहले चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण और आवास गणना का काम किया जाएगा। इस दौरान जिले के हर घर और भवन की जानकारी जुटाई जाएगी। इसमें मकान का प्रकार, उपयोग और उपलब्ध सुविधाओं का रिकॉर्ड तैयार होगा, जो आगे की योजनाओं के लिए आधार बनेगा।इस बार लोगों को खुद जानकारी भरने का भी मौका दिया गया है। 16 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच इच्छुक नागरिक ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपने परिवार और मकान का डाटा दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें एक सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी दी जाएगी, जिसे प्रगणक के सत्यापन के समय दिखाना होगा।सर्वे के दौरान यह भी दर्ज किया जाएगा कि घर कच्चा है या पक्का, कितने परिवार रहते हैं और पानी, शौचालय, बिजली, गैस व इंटरनेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं। यह डाटा सामाजिक और आर्थिक योजनाओं के लिए अहम माना जा रहा है।प्रशासन ने बताया कि अधिकृत प्रगणक पहचान पत्र के साथ घर-घर पहुंचेंगे। लोगों से अपील की गई है कि वे सही और पूरी जानकारी दें। जो लोग खुद डाटा भरेंगे, वे अपनी आईडी जरूर साझा करें।प्रशासन ने साफ किया है कि जनगणना से जुड़ी सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रहेंगी और उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय व नीतिगत उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कलेक्टर संबित मिश्रा ने कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है और इसमें सभी की भागीदारी जरूरी है, क्योंकि सटीक आंकड़े ही विकास की दिशा तय करते हैं।

दिल्ली में दम दिखाएंगे बीजापुर के खिलाड़ी, SGFI सॉफ्टबॉल के लिए टीम रवाना

बीजापुर/मूक पत्रिका

राजधानी दिल्ली में होने वाली 69वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ की अंडर-14 बालक व बालिका टीम रवाना हो गई है। 16 से 22 अप्रैल तक होने वाली इस प्रतियोगिता में इस बार बीजापुर के खिलाड़ियों की मजबूत मौजूदगी है। टीम चयन में जिले के खिलाड़ियों का दबदबा नजर आया है। बालक वर्ग में साहिल निषाद, अभील मिच्चा, दिव्यांशु पोयम, अनिकेत तेलम और बचालु कवासी को जगह मिली है, जबकि बालिका वर्ग में अनुराधा कोवासी और अनुसूर्या यालम टीम में शामिल हैं।खिलाड़ियों के चयन पर कलेक्टर संबित मिश्रा और खेल प्रभारी उत्तम पंचारी ने खुशी जताते हुए सभी को बधाई दी है। उन्होंने खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टबॉल कोच सोपान करणेवार ने बताया कि इस बार अंडर-14 वर्ग में छत्तीसगढ़ की टीम मजबूत नजर आ रही है और पदक की दावेदार मानी जा रही है।

जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करने के इरादे से दिल्ली रवाना हुए हैं।

पोषण पखवाड़ा के तहत जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में अन्नप्राशन संस्कार एवं जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक सभी परियोजनाओं के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनीता अग्रवाल ने बताया कि आज बच्चों के पोषण स्तर को सुधारने और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में भव्य अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, माता-पिता और स्व सहायता समूहों की उपस्थिति में बच्चों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ नन्हें बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। उपरी आहार की शुरुआत के अंतर्गत 6 माह की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों को माँ के दूध के साथ-साथ पूरक आहार जैसे दलिया, खिचड़ी, मसले हुए फल और सब्जियों की आवश्यकता के बारे में पालकों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित महिलाओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रथम 1000 दिन के महत्व, स्वच्छता और संतुलित आहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही पोषण आहार की जानकारी देते हुए स्थानीय सब्जी मूंग, पालक, कद्दू, लौकी तथा फल केला, आंवला, नींबू, जामुन, बिही, आम, पपीता को प्रतिदिन आहार में शामिल करने की जानकारी दी गई। दूध, दही, अंडा एवं अन्य सामग्री भुना चना, गुड़, मूंगफली आसानी उपलब्ध सभी खाद्य पदार्थ का ज्यादा से ज्यादा उपयोग एवं अंकुरित चना, मूंग, खीरा, टमाटर को प्रतिदिन आहार में शामिल करने की जानकारी प्रदान की गई।जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मोटे अनाज चावल, गेहूं, ज्वार, बाजरा जो शरीर में ऊर्जा देते हैं व सभी प्रकार की दालें जो शरीर के निर्माण के लिए आवश्यक प्रोटीन प्रदान करती हैं। जनप्रतिनिधियों द्वारा अन्नप्राशन कराने के पश्चात पर्यवेक्षक ने बताया कि बच्चों का 6 माह की आयु पूर्ण होते ही अन्नप्राशन कर चार-पांच नरम आहार प्रतिदिन बच्चों को देने से एवं दो वर्ष तक माँ का स्तनपान कराने से बच्चा कुपोषण रहित रहेगा। इसके साथ ही पोषण पखवाड़ा हेतु रैली निकाली गई एवं क्रिज प्रतियोगिता का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया। यह आयोजन जिले के कुपोषण दर को कम करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है।

शहर में धड़ल्ले से दौड़ रहीं कंपनियों की बसें, यातायात विभाग के आदेशों की उड़ रहीं धज्जियां..?

कार्यवाही के अभाव नियमों की अनदेखी, विभागीय कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात विभाग द्वारा भारी वाहनों और कंपनियों की बसों के शहर के भीतर परिचालन पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद इन निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और व्यस्त सड़कों पर कंपनियों की बसें कर्मचारियों का परिवहन करती दिखाई दे रही हैं, जिससे विभाग की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गौरतलब हो कि यातायात विभाग ने पूर्व में दुर्घटनाओं की बढ़ती आशंका को देखते हुए शहर के भीतर भारी वाहनों के प्रवेश और कंपनियों की बसों के संचालन को नियंत्रित करने के निर्देश जारी किए थे। लेकिन हकीकत में इन नियमों का पालन होते नहीं दिख रहा है। सुबह और शाम के समय शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर कंपनियों की बड़ी बसें कर्मचारियों को लाने-ले जाने का कार्य करती देखी जा सकती हैं। इससे न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है बल्कि आम लोगों के लिए भी खतरा बढ़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग द्वारा समय-समय पर भारी वाहनों के खिलाफकार्रवाई की खबरें जरूर सामने आती हैं, लेकिन कंपनियों की बसों के मामले में सख्ती नजर नहीं आती। इससे यह धारणा बन रही है कि कंपनी प्रबंधन के वाहनों को विभागीय स्तर पर किसी तरह का ÷अभयदान÷ मिला हुआ है। शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस तरह की बड़ी बसों का संचालन कभी भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है। स्कूल जाने वाले बच्चे, दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर ऐसे वाहनों की वजह से जोखिम में रहते हैं। ऐसे में जरूरत है कि यातायात विभाग अपने ही आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करे और नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी वाहनों पर समान रूप से कार्रवाई करे, ताकि शहर में सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था कायम रह सके।

यातायात विभाग की लापरवाही पर उठ रहे सवाल

शहर में भारी वाहनों और कंपनियों की बसों के संचालन पर रोक के बावजूद खुलेआम उनका परिचालन जारी है। कई प्रमुख चौक-चौराहों पर ये बसें कर्मचारियों को ले जाते हुए देखी जा सकती हैं। इसके बावजूद यातायात विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी विभाग की है, लेकिन वर्तमान स्थिति लापरवाही को दर्शा रही है।

भीड़भाड़ में बड़ी बसों से दुर्घटना का खतरा

शहर के भीड़भाड़ वाले मार्गों पर बड़ी कंपनियों की बसों का संचालन दुर्घटना का कारण बन सकता है। खासकर स्कूल समय और कार्यालय समय में सड़कों पर पहले से ही यातायात का दबाव रहता है। ऐसे में भारी बसों की आवाजाही से दोपहिया वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और स्कूली बच्चों के लिए खतरा बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस पर सख्ती नहीं बरती गई तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता।

17 अप्रैल को सारंगढ़ के साहू भवन में होगा रक्तदान शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के जिला इकाई सारंगढ़ बिलाईगढ़ और सहयोग ब्लड बैंक के सयुंक्त तत्वाधान में 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक सारंगढ़ के साहू भवन रानीसागर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति अपना रक्तदान कर सकते है और दूसरों के जीवन रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वन सुरक्षा समिति की राशि के गबन का आरोप, कलेक्टर से जांच की मांग

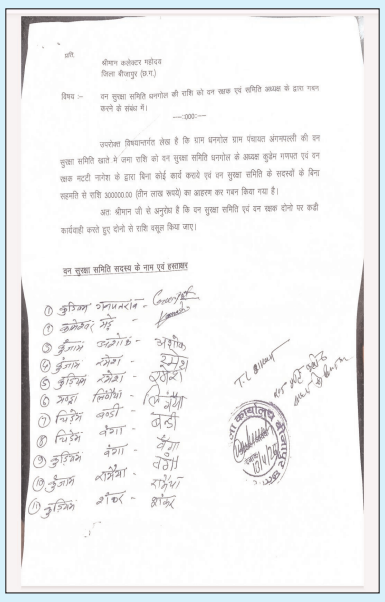

प्रति,
श्रीमान कलेक्टर महोदय
जिला बीजापुर (छ.ग.)

विषय :- वन सुरक्षा समिति धनगोल की राशि को वन रक्षक एवं समिति अध्यक्ष के द्वारा गबन करने के संबंध में।

---::000::---

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि ग्राम धनगोल ग्राम पंचायत अंगमपल्ली की वन सुरक्षा समिति खाते में जमा राशि को वन सुरक्षा समिति धनगोल के अध्यक्ष कुडेम गणपत एवं वन रक्षक मटटी नागेश के द्वारा बिना कोई कार्य कराये एवं वन सुरक्षा समिति के सदस्यों के बिना सहमति से राशि 300000.00 (तीन लाख रूपये) का आहरण कर गबन किया गया है।

अतः श्रीमान जी से अनुरोध है कि वन सुरक्षा समिति एवं वन रक्षक दोनो पर कडी कार्यवाही करते हुए दोनो से राशि वसूल किया जाए।

वन सुरक्षा समिति सदस्य के नाम एवं हस्ताक्षर

मूक पत्रिका/भोपालपटनम। बीजापुर (छत्तीसगढ़) भोपालपटनम ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत अगमपल्ली में वन सुरक्षा समिति की राशि के कथित गबन का मामला सामने आया है। इस संबंध में समिति के सदस्यों ने जिला कलेक्टर बीजापुर को एक लिखित शिकायत पत्र सौंपकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पत्र के अनुसार, ग्राम धनगोल की वन सुरक्षा समिति में जमा राशि का उपयोग समिति के अध्यक्ष कुडेम गणपत एवं वन रक्षक मट्टी नागेश द्वारा बिना किसी कार्य कराए और समिति के अन्य सदस्यों की सहमति के बिना कर लिया गया। आरोप है कि लगभग 3,00,000 (तीन लाख रुपये) की राशि का आहरण कर उसका गबन किया गया है। समिति के सदस्यों ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कलेक्टर से निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित अध्यक्ष और वन रक्षक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए राशि की वसूली करने की मांग की है। शिकायत पत्र पर वन सुरक्षा समिति के कई सदस्यों के हस्ताक्षर भी संलग्न हैं, जिससे मामले की गंभीरता और सामूहिक आपत्ति स्पष्ट होती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी करवाई किया जाए।

शार्दाकियर हेल्थसिटी ने हेल्थ कैंप आयोजित किया

शार्दाकेयर हेल्थसिटी ने 16 अप्रैल 2026 को ग्रेटर नोएडा में मीडिया से जुड़े लोगों और उनके परिवारों के लिए एक हेल्थ कैंप आयोजित किया। इसका उद्देश्य लोगों को पहले से ही अपनी सेहत का ध्यान रखने और समय-समय पर जांच कराने के लिए जागरूक करना था। कैंप में मुफ्त जांच की सुविधा दी गई, जिसमें हीमोग्लोबिन (Hb), ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर (BP), ईसीजी और BMI जैसी जरूरी जांच शामिल थीं, ताकि बीमारियों का जल्दी पता चल सके। इस कैंप में डॉ. अजीत सिंह (सीनियर कंसल्टेंट और हेड, कार्डियक साइंसेज़) और डॉ. विजय कुमार गुर्जर (सीनियर कंसल्टेंट और हेड, जेरियाट्रिक मेडिसिन) ने लोगों को सेहत से जुड़ी सलाह भी दी। कैंप के दौरान पत्रकारों का रजिस्ट्रेशन शार्दाकेयर हेल्थसिटी के खास मेंबरशिप कार्ड के लिए भी किया गया, जिसमें उनके चार तक परिवार के सदस्य शामिल हो सकते हैं। यह पहल शार्दाकेयर हेल्थसिटी और मीडिया के बीच अच्छे संबंध को दिखाती है। साथ ही, यह मीडिया की जागरूकता फैलाने में भूमिका को समझते हुए, उनके और उनके परिवार की सेहत का ध्यान रखने की एक कोशिश है।

बेमेतरा में बैंक प्रबंधकों की बैठक, साइबर अपराध रोकथाम को लेकर एएसपी ने दिए कड़े निर्देश

मूक पत्रिका/बेमेतरा - जिले में बढ़ते साइबर अपराध और बैंक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने पुलिस कार्यालय बेमेतरा के मीटिंग हॉल में शहर के विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधकों के साथ बैठक ली।

बैठक में एएसपी यादव ने बैंकों और एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि बैंक परिसर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी दर्ज की जाए तथा बैंक के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू स्थिति में रहें। सुरक्षा गार्डों का नियमित चरित्र सत्यापन कराने, उनके हथियारों को चालू हालत में रखने और बिना गार्ड वाले एटीएम को रात्रि में बंद रखने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अलावा बैंक खुलने और बंद होने का निर्धारित समय सुनिश्चित करने, सायरन चालू रखने, सीसीटीवी रिकॉर्डर को सुरक्षित स्थान पर रखने तथा बैंक परिसर में पर्याप्त रोशनी और सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। एएसपी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि चेहरा ढककर, हेलमेट या स्कार्फ पहनकर आने वाले व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जाए और इस संबंध में बैंक के बाहर स्पष्ट नोटिस लगाया जाए।

बैठक में साइबर अपराध की रोकथाम को लेकर भी बैंक प्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एएसपी यादव ने कहा कि साइबर अपराधियों तक पहुंचने में बैंक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। पुलिस द्वारा मांगी गई जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए ताकि जांच और कार्रवाई में विलंब न हो।

उन्होंने बैंक खाता खोलते समय ग्राहकों के दस्तावेजों की गहन जांच-पड़ताल, आधार से लिंक मोबाइल नंबर की अनिवार्यता तथा संदिग्ध लेन-देन की स्थिति में तत्काल संबंधित खाते को होल्ड करने के निर्देश दिए। साथ ही बड़े ट्रांजेक्शन और संदिग्ध खातों पर विशेष निगरानी रखने तथा तुरंत पुलिस को सूचना देने को कहा गया।

बैठक में बैंक परिसर के भीतर और बाहर साइबर अपराध से बचाव संबंधी जागरूकता फ्लैक्स लगाने, थाना, चौकी और पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए।

बेमेतरा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी से बचने के लिए अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी की सूचना तुरंत टोल फ्री नंबर 1930 पर दें।

बैठक में एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया जिले में 16 नए कृषि सेवा सहकारी समितियों का वर्चुअल शुभारंभ

- किसानों को अपने गांव में ही ऋण, बीज और विपणन की सुविधा

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहकार से समृद्धि योजना के अंतर्गत प्रदेश की 515 प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समितियों का वर्चुअल शुभारंभ किया, जिसमें बिलासपुर जिले की 16 समितियां भी शामिल हैं। जिले में शुरू हुई नई समितियों में विकासखण्ड कोटा के आमागोहन, दारसागर, अमाली, पोड़ी, पचरा, तखतपुर के कोड़ापुरी, लमेर, पड़रिया, बिल्हा के चुमकवा, अकलतरी, बेलतरा तथा मस्तूरी के शिवटिकारी, सुकुलकारी, धनगंवा, सरसेनी और जलसो शामिल हैं। इन समितियों के माध्यम से किसानों को स्थानीय स्तर पर फसल ऋण (केसीसी), बीज एवं खाद वितरण, धान उपार्जन और नगद लेन-देन की सुविधा मिलेगी। साथ ही सीएससी केंद्रों के जरिए आधार, पैन, आयुष्मान भारत, बिजली बिल भुगतान, बैंकिंग, बीमा सहित 300 से अधिक नागरिक सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इस पहल से किसानों को धान बेचने एवं कृषि कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, समय और लागत की बचत होगी तथा सहकारिता के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर विभिन्न नए समितियों के शुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, श्री कृष्णमूर्ति बांधी, पूर्व विधायक, श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, श्री मोहित जायसवाल, श्री निरंजन पैकरा सदस्य जिला पंचायत, श्रीमती सूरज साधेलाल भारद्वाज,जनपद अध्यक्ष कोटा, श्रीमती सरोज साहू नगर पंचायत अध्यक्ष कोटा, लवकुश कश्यप अध्यक्ष नगरपालिका रतनपुर, श्रीमती अंबिका साहू जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माधवी वस्त्रकर जनपद अध्यक्ष तखतपुर श्री भारती माली जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ललिता कश्यप उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती अनुसूया कश्यप जिला पंचायत सदस्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सहकारी समितियों के सदस्य और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

ओप्पो इंडिया ने मिड-रेंज में सेल्फी चैंपियन, एफ33 सीरीज़ लॉन्च की

नई दिल्ली। आज ओप्पो इंडिया ने भारत में ओप्पो एफ 33 सीरीज़ लॉन्च की है, जिसमें दो स्मार्टफोन, ओप्पो एफ 33 प्रो 5जी और ओप्पो एफ 33 5जी शामिल हैं। एफ 33 सीरीज़ ओप्पो की एफ लाईन में अभी तक की सबसे आधुनिक सीरीज़ है, जिसमें सेगमेंट में सबसे बेहतर 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड सेल्फी कैमरा, आईपी69के ड्यूरेबिलिटी, 7,000 एम.ए.एच की जबरदस्त बैटरी, कलरओएस16 और 5जी++ कनेक्टिविटी दी गई है।

ओप्पो इंडिया के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, गोल्डी पटनायक ने बताया कि, ''एफ सीरीज़ भारत की सबसे ड्यूरेबल चैंपियन है। यह स्मार्टफोन जीवन की वास्तविक परिस्थितियों के लिए बनाया गया है। एफ 33 सीरीज़ में हमने इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए 100 डिग्री एफओ.वी (फील्ड ऑफव्यू) के साथ 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड सेल्फी कैमरा और कई ए.आई इमेजिंग फीचर्स दिए हैं। हमारी कोशिश है कि ड्यूरेबिलिटी और शानदार फोटोग्राफी के लिए ग्राहकों को महंगी कीमत न चुकानी पड़े। ग्राहकों को मॉनसून की ट्रैकिंग पर जाने की ड्यूरेबिलिटी और ग्रुप में हर व्यक्ति को सेल्फी में कैप्चर करने जैसी खूबियाँ एक ही स्मार्टफोन में मिल सकें। एफ 33 हमारे इस वादे को पूरा करता है और भारत की मोबाईल-फर्स्ट पीढ़ी को वो सभी खूबियाँ प्रदान करता है, जिनके वो हकदार हैं।'' 0.6एक्स तक के स्मार्ट ऑटो-स्विच के साथ सेगमेंट का सबसे बेहतर सेल्फी कैमरा ओप्पो की सेल्फी चैंपियन एफ33 सीरीज़ में 100 डिग्री फील्ड ऑफ व्यू के साथ 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड फ्रंट कैमरा है। यह अपने सेगमेंट में सबसे बड़े स्पेस को कैप्चर करने वाला और सबसे ज्यादा रिज़ॉल्यूशन वाला कैमरा है। इसमें ई.आई.एस, ऑटोफोकस और जीसी50एफ 6 सेंसर (एफ/2.0, 18 मिमी फोकल लैंथ, 5पी लेंस) जैसी खूबियाँ दी गई हैं। यह पिछली जनरेशन की फ्रेमिंग की तुलना में एक मीटर की दूरी से लगभग 30 प्रतिशत ज्यादा क्षेत्र को कैप्चर करता है। इसलिए सेल्फी में और ज्यादा लोग, और अधिक कॉन्टैक्स्ट तथा ज्यादा मूमेंट आ सकते हैं, और किसी चेहरे को भी क्रॉप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

रेल सुविधाओं की अनदेखी पर कोरबा में बढ़ा आक्रोश,बड़े आंदोलन की चेतावनी

कोरबा। रेल व्यवस्थाओं की लगातार अनदेखी को लेकर कोरबा में अब जन असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। शहर के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और श्रमिक नेताओं ने एकजुट होकर रेल प्रबंधन के खिलाफमोर्चा खोलने के संकेत दिए हैं। उन्होंने साफचेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। कोरबा विकास समिति (रेल) के बैनर तले होटल महाराजा में आयोजित सर्वदलीय बैठक में रेल सेवाओं की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि कोरबा जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक जिले के साथ लगातार उपेक्षापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है, जो अब बर्दाश्त के बाहर हो चुका है। बैठक में बताया गया कि कोरबा से चलने वाली ट्रेनों को अक्सर बीच रास्ते घंटों तक रोका जाता है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्टेशन पर खड़ी ट्रेनों में कोयले की धूल और गंदगी की समस्या भी बनी रहती है। इसके अलावा रेलवे फाटक के बार-बार बंद रहने से शहर की यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। एक गंभीर मुद्दा यह भी सामने आया कि कई ट्रेनें कोरबा से आगे जाने के बाद वापस नहीं लौटतीं और बिलासपुर में ही उनका संचालन समाप्त कर दिया जाता है। इससे यात्रियों को अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लंबे समय से नई ट्रेनों की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। बैठक में कोरबा की सांसद ज्योत्सना महंत सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि अब चुप बैठने का समय समाप्त हो चुका है।

समय-सीमा बैठक में पेयजल व्यवस्था, जल संरक्षण और पौधरोपण की समीक्षा

- जल संरक्षण के कार्यों में जनभागीदारी पर कलेक्टर ने दिया जोर

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में जिले में पेयजल की स्थिति की जानकारी लेते हुए जनपद सीईओ से समस्या वाले गांवों का विवरण प्राप्त किया और उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बिल्हा के 13, मस्तूरी के 18 और कोटा के 7 पंचायतों में पेयजल की समस्या की स्थिति है। कलेक्टर ने कहा कि कार्ययोजना के अनुरूप इन क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने जल स्रोतों के रिचार्जिंग के उपायों पर ध्यान देने तथा इस संबंध में आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल संरक्षण कार्यों मे जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय स्तर पर सहभागिता बढ़ाने पर भी जोर दिया।पौधरोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निजी उद्योगों को भी इस अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े आकार के पौधों के रोपण एवं उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे उनकी जीवित रहने की संभावना अधिक रहे। कलेक्टर ने वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि योजनाएं व्यवस्थित रूप से क्रियान्वित हो सकें। उन्होंने भू-अर्जन से संबंधित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।बैठक में कार्य पूर्ण होने पर भुगतान की प्रक्रिया को सुगम बनाए रखने, जनगणना कार्य की प्रगति, निष्क्रिय खातों, पीएम पोर्टल, सीएम जनदर्शन एवं कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

श्री रामलला दर्शन के लिए श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना

- आस्था स्पेशल ट्रेन से बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं ने शुरू की यात्रा
- केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन से श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने श्रद्धालुओं से भरी विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग सिंह मौजूद थे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने इस अवसर पर कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का सम्मान है, जिसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को प्रभु श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर गाजे-बाजे, पारंपरिक नृत्य, तिलक, फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के चेहरों पर उल्लास और श्रद्धा के भाव थे। अयोध्या धाम के साथ-साथ वे श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालु बिलासपुर के श्रीकांत गुप्ता, तखतपुर के बलदाऊ गुप्ता और बिलासपुर निवासी श्रीमती कुवंरिया बाई ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्री रामलला के दर्शन करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है, जो मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी सुव्यवस्थित और सम्मानजनक व्यवस्था एक सपना साकार होने जैसा है। मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशीलता के कारण आज अनेक महिलाओं को श्री रामलला के दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिसके लिए वे उनके प्रति कृतज्ञ हैं। अन्य दर्शनार्थियों ने भी इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय और भावनात्मक क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि इस विशेष ट्रेन में बिलासपुर जिले के 225 श्रद्धालु भी शामिल हैं। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या आने-जाने, ठहरने, मंदिर दर्शन, नाश्ता एवं भोजन की संपूर्ण व्यवस्था की गई है। साथ ही यात्रा के दौरान टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मियों एवं चिकित्सकों का दल भी श्रद्धालुओं के साथ मौजूद रहेगा।

जशपुर में बड़ी कार्रवाई: 112 किलो गांजा जब्त, दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया है। इस दौरान दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जो ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। जब्त गांजे की कीमत करीब 54 लाख रुपये आंकी गई है, जबकि वाहन समेत कुल जब्ती लगभग 56 लाख रुपये बताई जा रही है। यह मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा के संबलपुर से गांजे की बड़ी खेप छत्तीसगढ़ के रास्ते उत्तर प्रदेश भेजी जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन की निगरानी शुरू की।

दोपहर करीब 2 बजे एक संदिग्ध टोयोटा कार (छ्रु-3ष्टक्र-5298) को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन चालक ने वाहन को तेज गति से भगाने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया, जिसके दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नाले में फंस गई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। वाहन की तलाशी में पुलिस को 7 प्लास्टिक बोरियों में छिपाकर रखे गए 108 पैकेट गांजा मिले, जिनका कुल वजन 112 किलो 770 ग्राम था।

बेंगलुरु की इस आईपीएल सीजन में चौथी जीत

लखनऊ को 5 विकेट से हराया, टेबल के टॉप पर आई, कोहली ने 49 रन बनाए

बेंगलुरु

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल सीजन में चौथी जीत हासिल की है। टीम ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु ने अपने होमग्राउंड में 147 रन का टारगेट 15.1 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। लखनऊ 20 ओवर में 146 रन पर ऑलआउट हो गई।

रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके

इससे पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी कर रही बेंगलुरु की ओर से रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके। भुवनेश्वर कुमार ने 3 और क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट लिए। रूस्त से मिचेल मार्श ने 40 रन बनाए। 8वें ओवर में आरसीबी ने दूसरा विकेट गंवाया। ओवर की दूसरी बॉल आवेश खान ने शॉर्ट पिच फेंकी। देवदत्त पडिक्कल ने पुल शॉट खेला, लेकिन स्क्वेयर लेग पोजिशन पर हिम्मत सिंह के हाथों कैच हो गए।

बेंगलुरु टेबल के टॉप पर लौटी, लखनऊ 7वें नंबर पर

बेंगलुरु की टीम मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई। टीम के खाते में 8 अंक हैं। वहीं, लखनऊ की टीम तीसरी हार के बाद 7वें स्थान पर है। उसके पास 4 अंक हैं।

पाटीदार ने लगातार 2 छक्के लगाए

9वें ओवर में आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने लगातार 2 छक्के लगा दिए। मोहम्मद शमी ने ओवर की चौथी बॉल स्लोअर फेंकी, पाटीदार ने लॉन्ग ऑन की ओर छक्का लगाया। शमी ने अगली गेंद बाउंसर फेंकी, पाटीदार ने फाइन लेग की ओर सिक्स लगा दिया। ओवर से 13 रन बने।

146 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी आरसीबी ने पावरप्ले में 60 रन बना लिए। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में 1 ही विकेट गंवाया। फिल सॉल्ट 7 रन बनाकर प्रिंस यादव की गेंद पर बोल्ड हुए। विराट कोहली ने 6 चौके और 1 छक्का लगाया। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल के साथ पावरप्ले में ही फिफ्टी पार्टनरशिप भी पूरी कर ली।

प्रिंस यादव ने पाटीदार-जितेश को पवेलियन भेजा

13वें ओवर में प्रिंस यादव ने जितेश शर्मा (23 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (27 रन) को पवेलियन भेजा। उन्होंने फिल सॉल्ट (7 रन) को बोल्ड किया।

विराट कोहली इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। वे पहली बार इस रोल में नजर आए हैं। कोहली को सुयश शर्मा की जगह मैदान पर ला गया।

मैच में एक भी फिफ्टी नहीं

इस मैच एक भी फिफ्टी नहीं लगाई। सबसे ज्यादा रन विराट कोहली (49 रन) ने बनाए। वे एक रन से फिफ्टी चूक गए। रजत पाटीदार ने 27 और जितेश शर्मा ने 23 रन बनाए।

जितेश के छक्के से बेंगलुरु 100 पार हुआ

12वें ओवर में बेंगलुरु ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। जितेश शर्मा ने दिग्वेश राठी के ओवर की तीसरी बॉल पर छक्का लगाकर टीम स्कोर 100 पार पहुंचाया। उन्होंने अगली 3 बॉल पर 2 चौके और एक छक्का लगाया।

आवेश को दूसरा विकेट, विराट पवेलियन लौटे

11वें ओवर में बेंगलुरु ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर इम्पैक्ट प्लेयर विराट कोहली 34 बॉल पर 49 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आवेश खान ने निकोलस पूरन के हाथों कैच कराया। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल (10 रन) को भी पवेलियन भेजा। दूसरे ओवर में बेंगलुरु ने पहला विकेट गंवाया। यहां पर फिल सॉल्ट 7 रन बनाकर आउट हुए। प्रिंस यादव की लेंथ बॉल नीचे रही।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप की प्राइजमनी 10 प्रतिशत बढ़ी

आईसीसी ने टूर्नामेंट की कुल राशि 82 करोड़ तय की, विजेता टीम को 21.8 करोड़ मिलेंगे

नई दिल्ली।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि बढ़ाकर 82 करोड़ रु. की गई है, जो 2024 के मुकाबले 10प्रतिशत ज्यादा है। पिछली बार इनामी राशि 7.95 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपए) थी। जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में इस बार ज्यादा टीमें और ज्यादा मुकाबले देखने को मिलेंगे।

विजेता को मिलेंगे 21.8 करोड़ रुपए

टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 21.8 करोड़, उपविजेता को 10 करोड़ और सेमीफाइनल हारने वाली टीम को 6.29 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं हर ग्रुप मैच जीतने पर टीम को 29 लाख मिलेंगे।

12 टीमों के बीच होंगे कुल 46 मुकाबले

इस बार टूर्नामेंट का दायरा बढ़ाया गया है। अब तक विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा लेती थीं, लेकिन इस बार 12 टीमें खेलेंगी। टीमों की संख्या बढ़ने से मैचों की संख्या में भी 50प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ग्रुप स्टेज के मैच 20 से बढ़कर 30 हो गए हैं। पूरे टूर्नामेंट में नॉकआउट समेत कुल 46 मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की परिस्थितियों में होगा बड़ा चैलेंज

अगला वर्ल्ड कप इंग्लैंड की मेजबानी में जून और जुलाई के बीच खेला जाना है। जून-जुलाई में इंग्लैंड का मौसम और पिचें तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर्स के लिए भी मददगार होती हैं। भारतीय टीम के लिए यह टूर्नामेंट काफी अहम होगा क्योंकि टीम इंडिया अब तक एक बार भी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीत सकी है। 12 टीमें होने से मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है।

ब्रॉडकास्टिंग और रेवेन्यू बढ़ने का फायदा

महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के कारण आईसीसी के रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी हुई है। विमेंस क्रिकेट के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की वैल्यू बढ़ी है और स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इसी को देखते हुए आईसीसी लगातार टूर्नामेंट्स को बड़ा बना रहा है। 12 टीमों के इस फॉर्मेट से छोटे देशों की महिला क्रिकेट टीमों को भी ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

न्यूज बीफ

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी। सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्नर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी कर सकते है धोनी

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। 44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं। सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

कार्लोस अल्कारेज को पछाड़ कर यानिक सिनर बने दुनिया के नंबर-1 टेनिस

मोंटे कार्लो मास्टर्स का खिताब जीता

नई दिल्ली।

यानिक सिन नई एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में स्पेन के अल्कारेज को हराकर खिताब जीता था जिसके बाद वह रैंकिंग में टॉप पहुंच गए हैं।

इटली के टेनिस स्टार यानिक सिनर नई एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में स्पेन के अल्कारेज को हराकर खिताब जीता था जिसके बाद वह रैंकिंग में टॉप पहुंच गए हैं। बता दें कि, क्ले कोर्ट पर यह सिनर का पहला बड़ा खिताब है और उन्होंने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को हराकर यह खिताब हासिल किया।

इस जीत के बाद सिनर ने कहा कि, यह मेरे लिए काफी मायने रखता है क्योंकि इसका मतलब है कि मैं आगे बढ़ रहा हूं। यह 2026 के लिए सिनर के मुख्य लक्ष्य की ओर बढ़ाया गया पहला कदम है। उनका लक्ष्य फ्रेंच ओपन जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना है।

सिनर के 13350 अंक हैं जबकि अल्कारेज 13240 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव 5555 अंक के साथ तीसरे पायदान पर हैं। नोवाक जोकोविच, फेलिक्स ऑगर एलियासिम, बेन शेल्टन, एलेक्स डि मिनोर, टेलर फ्रिट्ज, लॉरेंजो मुसेटी और दानिल मेदवेदेव शीर्ष 10 में शामिल हैं।

बीसीसीआई ने रॉयल चैलेंजर्स के मैनेजर रोमी को नोटिस

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे।

आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

पीसीबी ने मुजरबानी को 2 साल के लिए

लाहौर

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर पाकिस्तान सुपर लीग ने 2 साल का बैन लगाया। उन्होंने पीएसएल फ्रेंचाइजी से करार होने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने का फैसला किया था।

मुजरबानी को पीएसएल टीम इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रिप्लेसमेंट प्लेयर के तौर पर साइन किया था। बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स से ऑफर मिलने पर उन्होंने पीएसएल से नाम वापस ले लिया। पीएसएल ने कहा कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में पारदर्शिता और प्रोफेशनलिज्म जरूरी है। पहले से किए गए करार के रहते दूसरी लीग से जुड़ना नियमों के खिलाफ है। लीग के अनुसार, ऐसे मामलों को नजरअंदाज करने से फ्रेंचाइजी और हितधारकों का भरोसा कमजोर होता है। इसलिए 2 साल का बैन लगाया गया।

मुजरबानी ने आईपीएल में 2 मैच खेले हैं। उन्होंने ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट लिए हैं। इससे पहले वह टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर चुके हैं।

कॉर्बिन बॉश पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था

मुजरबानी पहले खिलाड़ी नहीं हैं, जिनके खिलाफ एग्रीमेंट तोड़ने पर लीगल एक्शन हुआ है। पिछले साल साउथ अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश ने पाकिस्तानी लीग में पेशावर जालमी के साथ समझौता किया था।

फिर बॉश एक चोटिल खिलाड़ी की जगह मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। उन्हें एक सीजन के लिए पीएसएल से प्रतिबंधित किया गया था। बॉश ने पाकिस्तानी बोर्ड से माफी मांगी थी और बोर्ड ने उनसे हर्जाने की मांग की थी।

रहमान की जगह केकेआर से जुड़े थे

मुजरबानी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में अपने साथ जोड़ा था। रहमान को बीसीसीआई के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 में मिल सकती है वैभव को जगह

मुम्बई।

वैभव सूर्यवंशी को शीघ्र ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल सकती है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव को जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वैभव इसी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी वैभव की उम्र केवल 15 साल है। अगर उन्हें टीम में जब मिलती है तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ देंगे। सचिन ने साल 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना टेस्ट डेब्यू में किया था। वहीं कुल मिलाकर देखें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे युवा क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 15 साल, 7 महीने और 27 दिन की उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल हैं, और चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर भी विचार किया है।

आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को दो मैचों की टी20आई सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला 26 जून को बेलफास्ट में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। अगर वैभव इस दौरे में सफल रहते हैं तो उन्हें आगामी आयरलैंड सीरीज के साथ-साथ इस साल के अंत में होने वाले ज़िम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया जा सकता है।

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड और लीड्स यूनाइटेड के खिलाड़ी।

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग कार्उंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं।

आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग-अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

प्रफुल्ल आईपीएल डेब्यू ओवर में 3 विकेट वाले पहले बॉलर

हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 57 रन से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले।

आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए। वे ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। वैभव सूर्यवंशी बिना खाता खोले आउट हुए। ईशान किशन के कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकरा गए।

अभिषेक एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट

अभिषेक शर्मा एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वे इस साल 18 पारियों में 7 बार बिना खाता खोले लौटे। उन्होंने रोहित शर्मा (2018) और संजू सैमसन (2024) को पीछे छोड़ा, जो 32-32 पारियों में 6-6 बार शून्य पर आउट हुए थे।

साकिब का आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग फिगर

साकिब हुसैन आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस वाले प्लेयर बने। उन्होंने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। साकिब ने अश्विनी कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विनी ने 2025 में चेन्नई के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर प्रफुल हिंगे हैं। उन्होंने आज 34 रन देकर 4 विकेट लिए।

आर्चर को लगातार दूसरे मैच की पहली गेंद पर विकेट

जोफा आर्चर ने मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया। अभिषेक बिना खाता खोले लौटे। इससे पहले 10 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ भी आर्चर ने पहली गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया था। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने यह कारनामा किया। आईपीएल में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट के मामले में मोहम्मद शमी 5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। आर्चर 4 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान के लिए यह 24वीं बार रहा जब टीम ने बिना कोई रन दिए पहला विकेट लिया। यह आईपीएल में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा है। वहीं, 12वीं बार ऐसा हुआ जब राजस्थान ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

ईशान किशन की सिक्स से फिफ्टी

10वें ओवर में ईशान किशन ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ घुटने के बल बैठकर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाकर 30 गेंद में अर्धशतक बनाया।

14वें ओवर में ईशान किशन का विकेट गिरा। संदीप शर्मा की वाइड लेंथ गेंद पर ईशान ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और गेंद ऊपर चली गई। कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकराए, लेकिन संदीप ने गेंद पकड़ ली।

13वें ओवर में फ्लडलाइट बंद होने से खेल रुका। मैदान पर अंधेरा छा गया और दर्शकों ने मोबाइल फ्लैश जलाई। ब्रेक में ईशान किशन टॉवेल से खुद को सुखाते नजर आए, जबकि रियान पराग और संदीप शर्मा बात करते दिखे। आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने इतिहास रचा। वे पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इससे पहले आईपीएल इतिहास में 32 बार पहले ओवर में 2 विकेट लिए गए थे। दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। चौथी पर ध्रुव जुरेल को बोल्ड किया। आखिरी गेंद पर लुहान-ड्रे प्रिटोरियस को कैच कराकर तीसरा विकेट लिया। तीनों बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए।

फरेरा का102 मीटर लंबा सिक्स

11वें ओवर में डोनोवन फरेरा ने 102 मीटर का सिक्स लगाया। हर्ष दुबे की फुल लेंथ गेंद पर उन्होंने आगे बढ़कर शॉट खेला और गेंद को डीप मिडविकेट के ऊपर 102 मीटर दूर भेजा। फरेरा को 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर डेब्यू कर रहे साकिब हुसैन ने बोल्ड कर दिया।

नगर पंचायत धरमजयगढ़ में हुआ लाखों का स्ट्रीट लाईट घोटाला, जांच हुआ तो अधिकारी जायेंगे जेल?

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ नगर पंचायत घोटाला, फर्जी बिल के मामले में अपना एक अलग ही पहचान बना लिया है? शासन का पैंसा को कैस खाना है सीखना है तो धरमजयगढ़ नगर पंचायत के अधिकारियों से जाने? नगर में स्ट्रीट लाईट लगाने के लिए शासन से लगभग 1 करोड़ों रूपये से जारी हुआ था। शासन द्वारा जारी राशि को अधिकारियों द्वारा ठेकेदार से मिलकर बंदरबांट करने का मामला सामने आया है, टेंडर के अनुसार कार्य नहीं करवाया गया है ठेकेदार से, और ठेकेदार का पूरा बिल भुगतान कर दिया गया है। पूरे नगर में 260 स्ट्रीट लाईट लगना था लेकिन ठेकेदार अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर स्ट्रीट लाईट कम लगाया गया है। एक पोल का कीमत शासन के टेंडर अनुसार 26 हजार और 29 हजार 6 सौ है, अब आप सोच सकते हैं कि शासन की राशि का कैसे बंदरबांट किया गया है। बात सिर्फ स्ट्रीट लाईट कम लगाने का नहीं है साथ ही साथ ठेकेदार द्वारा पोल की साईज में भी घोटाला किया है, 10 मीटर वाला पोल के जगह में 7 मीटर का पोल लगाया गया है, एवं खाम्भे में लगे लाईट भी बहुत ही घटिया किस्म का है जो एक माह भी सही सलामत नहीं जल पाया है।

उचित जांच हुई तो अधिकारी जायेंगे जेल?

नगर पंचायत धरमजयगढ़ द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य एवं खरीदी की गई समान की बिल की अगर उचित जांच किया जाये तो अधिकारी-कर्मचारी को जेल जाने से कोई नहीं बचा सकता? इतने बड़े पैमाने पर नगर पंचायत में शासन से जारी रूपये का गोलमोल हुआ है। अधिकारियों के घोटाले बाजी के कारण आज लोगों के घर में इस भीषण गर्मी में पेज जल सही सलामत नहीं पहुंच पा रहे हैं।

सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी मौन

नगर पंचायत में चल रहे अनियमितता को लेकर किसी भी दल के नेताओं ने आज तक आवाज नहीं उठाई है, हां बीच-बीच में ये नेता जी लोग सोशल मीडिया में अपना उपस्थिति दर्ज जरूर करते हैं। और जमकर विरोध भी करते हैं लेकिन नगर पंचायत ऑफ्सि आकर कोई अधिकारियों से सवाल जवाब नहीं करते हैं कि नगर वासियों को उनका हक क्यों नहीं मिल रहा है? स्ट्रीट लाईट में हुए लाखों की घोटाले की बात कोई नहीं करते, सत्ता पक्ष के नेता चर्चा में रहने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं और विपक्ष तो ऐसा लगता है ही नहीं, आज तक नगर विकास को लेकर कोई आवाज नहीं उठाये हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष की हालत देख नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों के हौसला इतना बड़ गया है कि ये लोग घोटाले के उपर घोटले करते जा रहे हैं। नेताओं को चाहिए कि निर्माण कार्य एवं नगर पंचायत द्वारा खरीदी की गई समान का बिल भाऊचर का उचित जांच करवा कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करें ताकि आने वालें चुनाव में वोट मांगने जा सके।

मानवता की सेवा में आगे आएं: कलेक्टर कनौजे

सारंगढ़ के साहू भवन में कल होगा विशाल रक्तदान शिविर

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा सारंगढ़-बिलाईगढ़ के तत्वावधान में 17 अप्रैल 2026 को स्थानीय साहू भवन में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।जिले के कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. संजय कन्नौजे ने जिले के युवाओं और नागरिकों से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा आयोजन साथ ही, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डर एफ आर निराला ने भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से पूरी तैयारी सुनिश्चित होने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने वाले दाताओं का उचित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

आयोजकः भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा सारंगढ़-बिलाईगढ़

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की अपील- जिला कलेक्टर ने अपने संदेश में कहा कि रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचा सकता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी रक्तदाता के लिए लाभकारी है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और सरकारी कर्मचारियों का आह्वान किया है कि वे इस ÷महादान÷ का हिस्सा बनें। ?÷आपका दिया हुआ रक्त किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति, सिकल सेल पीड़ित बच्चे या गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। आइए, हम सब मिलकर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को रक्तदान के क्षेत्र में अग्रणी जिला बनाएं।÷- डॉ. संजय कन्नौजे, कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटीरक्तदान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीरक्तदान करने वाले नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग और रेडक्रॉस की टीम ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

रक्तदाताओं का होगा सम्मान-शिविर में रक्तदान करने वाले प्रत्येक रक्तदाता को रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने बताया कि संग्रहित रक्त का उपयोग जिला अस्पताल और अन्य आपातकालीन स्थितियों में जरूरतमंदों की मदद के लिए किया जाएगा।

प्रशासन की तैयारी-स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से शिविर स्थल पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था और प्राथमिक उपचार के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

महिला कमांडो से अश्लील गाली-गलौज का आरोप,थाना में ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग

चांपा/मूक पत्रिका

महिला कमांडो द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर एक गंभीर मामला सामने आया है। आवेदन में महिला कमांडो ने आरोप लगाया है कि 14 अप्रैल 2026 को रात करीब 9:20 बजे ड्यूटी के दौरान रतन चंद्रा द्वारा उनके साथ अश्लील गाली-गलौज की गई। आवेदन के अनुसार, रतन चंद्रा ने महिला कमांडो के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मर्यादा भंग की। घटना के बाद महिला कमांडो ने तत्काल इसकी सूचना चांपा थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की। महिला कमांडो ने अपने आवेदन में कहा है कि ड्यूटी पर तैनात महिला कर्मियों के साथ इस तरह का व्यवहार निंदनीय है और इससे उनकी सुरक्षा व सम्मान पर प्रश्नचिह्न लगता है। उन्होंने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ त्वरित जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।फ्लिहाल पुलिस द्वारा आवेदन प्राप्त कर लिया गया है और मामले की जांच किए जाने की बात कही जा रही है।

नई आबकारी नीति से देशी शराब की सप्लाई चरमराई, चांपा में 'ड्राई-डे' जैसे हालात

चांपा के भोजपुर और बस स्टैंड की दुकानों में स्टॉक खत्म, उपभोक्ता परेशान

चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में 1 अप्रैल 2026 से लागू की गई नई आबकारी नीति के तहत देशी शराब को कांच की बोतलों से हटाकर प्लास्टिक (क्ष्ब्ज्ञ) बोतलों में उपलब्ध कराने के निर्णय का असर अब ज़मीनी स्तर पर साफ दिखने लगा है। इस बदलाव के बाद राज्य की सरकारी शराब दुकानों में भारी अव्यवस्था फैल गई है और स्टॉक संकट गहराता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पुरानी कांच की बोतलों में उपलब्ध देशी शराब का स्टॉक लगभग समाप्त हो चुका है, जबकि नई क्ष्ब्ज्ञ बोतलों में शराब की आपूर्ति धीमी है। इस असंतुलन के चलते कई दुकानों पर ÷ड्राई-डे÷ जैसी स्थिति बन गई है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में चांपा के भोजपुर और बस स्टैंड स्थित देशी शराब दुकानों में स्टॉक लगभग पूरी तरह खत्म हो गया है। शराब प्रेमी प्लेन और मसाला जैसी देशी शराब की तलाश में दुकानों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सप्लाई व्यवस्था को सुचारु रखने में शासन-प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि नीति परिवर्तन से पहले पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, जिससे यह संकट पैदा हुआ। इसके अलावा, कांच की बोतलों की रीसाइक्लिंग से जुड़े लाखों लोगों के रोजगार पर भी इस फैसले से संकट के बादल मंडराने लगे हैं। आबकारी विभाग से जुड़े अधिकारी स्थिति सामान्य होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। उपभोक्ताओं और स्थानीय व्यापारियों ने मांग की है कि सप्लाई व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त किया जाए, ताकि दुकानों पर उपलब्धता बहाल हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

दशगात्र जा रही पिकअप पलटीः खेत में जा गिरी गाड़ी, 7 घायल, 2 रायगढ़ रेफर..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे लोगों से भरी पिकअप वाहन बुधवार सुबह अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में पलट गई। हादसा सरिया थाना क्षेत्र के चंद्रपुर-सरिया मुख्य मार्ग पर बिलाईगढ़-अ के पास हुआ, जहां वाहन नियंत्रण खोकर धान के खेत में जा गिरा। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया।

ऐसे हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार ग्राम सूरजगढ़ निवासी मिनकेतन मांझी अपने परिजनों के साथ टिमरलगा जा रहे थे। सुबह करीब 10:30 बजे रेशम पटेल के बोरपंप के पास पिकअप वाहन (ष्टत्र 13,ङ्क 0728) का चालक अचानक नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन सड़क किनारे खेत में पलट गया। पिकअप में करीब 30 लोग सवार थे, जिनमें से 7-8 लोगों को चोटें आई।

घायलों का इलाज, दो रेफर

घटना की सूचना मिलते ही सरिया पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकालकर तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरिया भेजा गया। यहां डॉक्टर ऋषभ शर्मा, डॉक्टर कृष्णा साहू, ड्रेसर गणपति यादव सहित स्टाफ ने इलाज शुरू किया। हादसे में जेमा बाई मांझी (58) और रुकमणि मांझी (34) को गंभीर चोटें आने पर रेफ्र किया गया, जबकि बसंत मांझी, ज्योति मांझी, पुष्पा मांझी, गायत्री मांझी और सरोजनी मांझी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

मालवाहक वाहनों में सवारी बनी खतरा

शादी और सामाजिक कार्यक्रमों के सीजन में पिकअप और छोटे मालवाहक वाहनों में ओवरलोड सवारी ढोने का चलन बढ़ गया है। जबकि ऐसे वाहनों में सवारी ले जाना प्रतिबंधित है, बावजूद इसके कार्रवाई नहीं होने से दुर्घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले दो वर्षों में ऐसे कई हादसे सामने आ चुके हैं, फिर भी जिम्मेदार विभाग की सख्ती नजर नहीं आ रही, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है।

बेमेतरा में 18 अप्रैल को निजी स्कूल रहेंगे बंद

17 अप्रैल को संचालक एवं शिक्षक काली पट्टी बांधकर करेंगे कार्य

शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव को सौंपा गया ज्ञापन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में चल रहे निजी स्कूलों के असहयोग आंदोलन ने अब बेमेतरा जिले में भी जोर पकड़ लिया है। बेमेतरा जिला प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉ. अवधेश पटेल एवं सचिव रामकुमार भारती के नेतृत्व में जिले के सभी निजी स्कूलों ने इस आंदोलन को पूर्ण समर्थन दिया है। एसोसिएशन के अनुसार, 17 अप्रैल को जिले के सभी निजी स्कूलों में संचालक एवं शिक्षक काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे, वहीं 18 अप्रैल (शनिवार) को जिले के सभी निजी स्कूल पूर्णतः बंद रहेंगे।

छत्तीसगढ़ प्रायवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन
C. G. Private School Management Association

(एक) 17 तारीख को सभी स्कूल संचालक एवं शिक्षक काली पट्टी बांधकर काम करेंगे,
दो) 18 तारीख, शनिवार को प्रदेश के समस्त स्कूल बंद रहेंगे।

जिले के सभी स्कूलों का समर्थन-जिला एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि बेमेतरा जिले के चारों विकासखंड – नवागढ़, बेरला, थान खमरिया एवं बेमेतरा – के सभी निजी स्कूलों ने एकजुट होकर इस आंदोलन का समर्थन किया है और स्कूल बंद रखने का सामूहिक निर्णय लिया है।

क्या है आंदोलन का कारण?

यह आंदोलन शिक्षा का अधिकार अधिनियम (ऋज्ञश्व) के तहत मिलने वाली प्रतिपूर्ति राशि को लेकर किया जा रहा है।वर्ष 2011 से अब तक प्रतिपूर्ति राशि का पुनर्निर्धारण नहीं किया गया हैइसके कारण निजी स्कूलों को लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है

एसोसिएशन का आरोप है कि स्कूल शिक्षा विभाग न्यायालय के आदेशों की अनदेखी कर रहा है

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन, जिला बेमेतरा द्वारा यह आंदोलन छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के आह्वान पर प्रदेशव्यापी रूप से चलाया जा रहा है।आंदोलन का निर्णय और पृष्ठभूमि

जिला अध्यक्ष डॉ. अवधेश पटेल एवं सचिव रामकुमार भारती ने बताया कि 1 मार्च 2026 को आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था।

चांपा थाने में आईपीएल सट्टा और जुआ फड़ का खतरनाक गठजोड़, युवा पीढ़ी तबाह और रसूखदार आबादः सट्टा-जुआ का काला सच

चांपा थाना क्षेत्र में आईपीएल सट्टा और रात का जुआ फड़ बेखौफ

चांपा/मूक पत्रिका

चांपा थाना क्षेत्र में आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान रोजाना लाखों रुपये के सट्टे और देर रात जुए की महफ्लि सजने की खबरों ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि क्रिकेट सट्टेबाजों के इस जाल में बड़ी संख्या में नाबालिग और युवा फंसते जा रहे हैं, जिससे उनका भविष्य खतरे में पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार आईपीएल मैच के दौरान सट्टा नेटवर्क सक्रिय है, जहां युवा पैसे के लालच में दांव लगा रहे हैं और हारने के बाद घर से चोरी करने, झगड़े और मारपीट जैसी घटनाओं में भी शामिल हो रहे हैं। एक युवक के परिजन ने बताया कि सट्टे की लत ने कई नाबालिगों की पढ़ाई और जीवन दोनों को बर्बादी की ओर धकेल दिया है। उन्होंने मांग की कि इस पर तत्काल और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसी तरह चांपा थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनीङ्कबालपुर में रात 10 बजे के बाद जुए की महफ्लि सजने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस जुए के फड़ में चांपा नगर के कुछ रसूखदार लोग भी पहुंचते हैं, जिससे अवैध गतिविधियों को संरक्षण मिल रहा है। चर्चा है कि पुलिस को जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे बाजार और ग्रामीण क्षेत्रों में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि आईपीएल सट्टा और रात का जुआ दोनों ही गतिविधियां चांपा थाना क्षेत्र में खुलेआम फल-फूल रही हैं। इससे न केवल युवाओं का भविष्य अंधकार में जा रहा है, बल्कि सामाजिक माहौल भी बिगड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने जांजगीर-चांपा पुलिस से मांग की है कि इन अवैध गतिविधियों पर तत्काल अंकुश लगाया जाए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और नाबालिगों को इस जाल से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। अब देखना होगा कि खबर सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन इस पर क्या ठोस कदम उठाता है।

÷जानकारी मिली है,अगर सट्टा-जुआ का फड़ चल रहा होगा तो निश्चित ही कार्रवाई कराती हूँ÷ -
निवेदिता पाल, पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।